रोहतक

सोमवार 31 अगस्त 2026

भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष,
तृतीया वर्ष : 30, अंक : 207
पृष्ठ 12 मूल्य 3.00

मौसम हरियाणा

अधि. 38.8°C
न्यून. 25.5°C

haribhoomi.com

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

पीएम को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा

ताशकंद (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रविवार को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च सम्मान 'ओली दराजाली दोस्तलिक' से नवाजा गया। राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने प्रधानमंत्री को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। उज्बेक भाषा के इस शब्द का मतलब है- उच्च स्तरीय मित्रता। यह मोदी को मिला 36वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। मोदी ने इसे भारत व उज्बेकिस्तान के बीच सदियों पुराने मैत्रीपूर्ण संबंधों और साझा विरासत को समर्पित किया। सम्मान मिलने के बाद मोदी ने कहा कि उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त करना उनके लिए गर्व की बात है। यह सम्मान उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि 1.4 अरब भारतीयों का सम्मान है।

'ओली दराजाली दोस्तलिक' से सम्मानित हुए मोदी, यह उनका 36वां सम्मान

द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाएंगे

सम्मान समारोह से पहले पीएम मोदी और राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। दोनों देशों में व्यापार, स्वच्छ ऊर्जा और संपर्क सहित कई क्षेत्रों में सहयोग मजबूत करने पर सहमति बनी। वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को पांच अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। असैन्य परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में उज्बेकिस्तान से भारत को यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति की व्यवस्था बनाने पर भी सहमति बनी है।

पुतिन से मिलेंगे मोदी : पीएम मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाले शंघाई सहयोग संगठन के 26वें शिखर सम्मेलन में भाग लेने किर्गिस्तान पहुंच गए। वे बिश्केक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। (पेज 8 भी देखें)

न्यूयॉर्क में यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन में संघ प्रमुख मोहन भागवत बोले

भारत के डीएनए में है विविधता में एकता हम अलग होकर भी एक-दूसरे से जुड़े हुए

गलत सोच इंसान को ले जाती है जानवरों के करीब

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि विविधता में एकता भारत की पहचान ही नहीं, बल्कि उसके डीएनए में है। मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि दुनिया में अलग-अलग जीवनशैलियां, खान-पान और जरूरतें हो सकती हैं, लेकिन इनके बीच सहज एकता का भाव लोगों को जोड़ता है। भागवत ने अमेरिका के बहुलवाद और भारत की 'विविधता में एकता' की अवधारणा की तुलना करते हुए कहा कि विविधता का जश्न मनाया जाना चाहिए, उसका सम्मान और उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। उनके अनुसार विविधता एकता के रास्ते में बाधा नहीं है, बल्कि यही एकता को और मजबूत तथा सुंदर बनाती है।

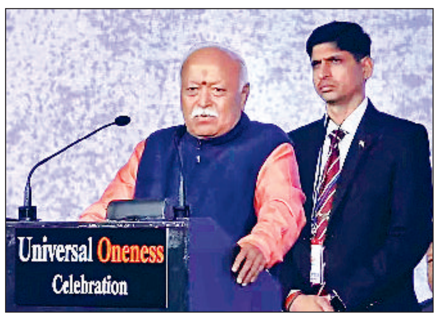

दुनिया में भारत की अहम जिम्मेदारी

संघ प्रमुख ने भारत की वैश्विक भूमिका पर भी बात की। स्वामी विवेकानंद का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक राष्ट्र की अपनी एक नियति और जिम्मेदारी होती है। भारत का दायित्व है कि वह विविधता में एकता को महसूस करे और दुनिया को भी इस एकता का अनुभव कराए। देश केवल भौगोलिक सीमाओं से बनी इकाइयां नहीं हैं। प्रत्येक राष्ट्र का अपना कर्तव्य होता है और उसे अपनी भूमिका निभानी होती है। अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के लोगों से कहा कि अमेरिका उनकी कर्मभूमि है। उन्होंने प्रवासी भारतीयों से वहां की जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी से निभाने का आह्वान किया।

इंसान को अलग बनाती है सोचने की क्षमता

भागवत ने मनुष्य और अन्य जीवों के बीच अंतर बताते हुए कहा कि इंसान में सोचने, तर्क करने और सही-गलत का फर्क समझने की क्षमता होती है। उन्होंने गाय का उदाहरण देते हुए कहा कि वह पेट भरने तक घास खाती है, लेकिन मनुष्य अपनी जरूरतों और इच्छाओं के बीच अंतर कर सकता है। यही विवेक मनुष्य को अन्य जीवों से अलग करता है।

30 देशों के 180 धार्मिक नेता भी शामिल हुए

भागवत ने कहा- विविधता में एकता भारत की पारंपरिक सोच है और देश समय-समय पर पूरी दुनिया को इसका एहसास कराता रहा है। सोचने की क्षमता इंसान के लिए एक वरदान है। सही सोच इंसान को भगवान के करीब ले जाती है, जबकि गलत सोच उसे जानवरों के करीब ले जाती है। कार्यक्रम में 5,000 से ज्यादा भारतीय मूल के अमेरिकी शामिल हुए। इसका आयोजन अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग ने किया। कार्यक्रम में 30 देशों के 180 धार्मिक नेता पहुंचे थे।

खबर संक्षेप

पंजाब में आप नेता गुरप्रीत की गोली मारकर हत्या

फिरोजपुर (पंजाब)। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी की यहां चार हथियारबंद हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि यह हत्या चुनाव से जुड़े एक विवाद के कारण हुई। ममदोट के मुख्य बाजार में कार से आए चार हमलावरों ने गाड़ी से उतरकर फायरिंग कर दी। इसमें गुरप्रीत सिंह की मौत हो गई। भाषा

मथुरा में चार को मनेगा श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

मथुरा। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर स्थित भागवत भवन सहित सभी मंदिरों में भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि यानी चार सितंबर को मध्यरात्रि में मनाया जाएगा। इस वर्ष महापर्व का आयोजन 'गौरक्षा-राष्ट्र रक्षा' के संकल्प सूत्र के साथ किया जा रहा है। *एजेंसी*

देशभर में भारतीय मानक समय का पालन अनिवार्य

नई दिल्ली। भारत में अब कानूनी, वाणिज्यिक, प्रशासनिक और डिजिटल गतिविधियों के लिए भारतीय मानक समय को आधिकारिक समय-संदर्भ के रूप में इस्तेमाल करना अनिवार्य होगा। केंद्र सरकार ने लीगल मेट्रोलॉजी रूल्स, 2026 अधिसूचित कर दिए हैं। ये नियम गजट में प्रकाशन के 180 दिन बाद लागू होंगे। ऐसे में मार्च 2027 के आसपास से देशभर में इनका प्रभाव शुरू होने की संभावना है। उपभोक्ता मामले के मंत्रालय ने 27 अगस्त को इन नियमों को अधिसूचित किया, लेकिन ये आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित होने के 180 दिन बाद लागू होंगे। विभागों को अपनी कार्य प्रणालियां इसके अनुरूप तैयार करनी होंगी। *एजेंसी*

भारत-चीन की टीमें राहत-बचाव कार्यों में जुटीं

संवेदनशील इलाकों में हाई अलर्ट

नेपाल त्रासदी : अब तक 804 मौतें, 2500 लापता, 9435 बचाए

सुरंगों में फंसे 898 कर्मचारी पाइप से दी जा रही ऑक्सीजन

एजेंसी ▶▶| काठमांडू/नई दिल्ली

नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के बाद तबाही का दायरा लगातार बढ़ रहा है। रविवार तक बाढ़ और भूस्खलन में 804 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 2500 लोग अब भी लापता हैं। राहत और बचाव दल मलबे में जिंदगी तलाश रहे हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक अब तक 9435 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। अब सबसे बड़ी चुनौती बाढ़ प्रभावित जलविद्युत परियोजनाओं में फंसे कर्मचारियों को बाहर निकालना है। रसुवा और नुवाकोट जिलों की नौ परियोजनाओं में 898 कर्मचारी मिट्टी और मलबे से बंद सुरंगों में फंसे हैं, जबकि 361 कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। सबसे बड़ी चुनौती त्रिशूली-3 'ए' जलविद्युत परियोजना की सुरंग में फंसे लोगों तक पहुंचने की है। यहां सुरंग में छह इंच का छेद कर पाइप से ऑक्सीजन पहंचाई जा रही है। अब इसे बड़ा मैनहोल बनाकर बचाव दल को अंदर भेजने की तैयारी है। फंसे कर्मचारियों को बचाने के लिए युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। (पेज 8 भी देखें)

- अब मैनहोल बनाकर सुरंग में घुसेगा बचाव दल
- 20 साल की युवती ने खोए 17 परिजन
- त्रिशूली नदी का जलस्तर बढ़ने से यूपी के कुशीनगर में भी खतरा

गंडक किनारे बढ़ाई गई निगरानी

नेपाल की त्रिशूली नदी का जलस्तर बढ़ने से यूपी के कुशीनगर में भी बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने गंडक नदी के किनारे संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाकर हाई अलर्ट जारी किया है। ग्रामीणों को नदी के किनारे नहीं जाने और सतर्क रहने की सलाह दी है।

भारत ने नेपाल ने फोरेंसिक और टेनल रेस्क्यू टीमें तैनात कीं। ये टीमें शवों की पहचान के लिए डीएनए जांच में मदद करेंगी।

मुर्दाघरों में जगह नहीं

बाढ़ के बाद शवों की संख्या इतनी बढ़ गई है कि काठमांडू के प्रमुख सरकारी मुर्दाघरों में जगह कम पड़ गई है। सरकार ने अज्ञात शवों के सामूहिक दफन का फैसला किया है। चितवन जिले में पहले ही 70 लावारिस शवों को दफनाया जा चुका है। अधिकारियों के अनुसार शवों के डीएनए नमूने सुरक्षित रखे जाएंगे, ताकि बाद में परिजनों की पहचान होने पर उन्हें धार्मिक रीति से अंतिम संस्कार का अवसर दिया जा सके। चितवन में करीब 250 शव बरामद होने की सूचना है।

17,000 बच्चों को तत्काल मदद की जरूरत

यूनिसेफ के अनुसार बाढ़ से कम से कम 17 हजार बच्चों को तत्काल मानवीय सहायता की जरूरत है। 18 स्कूल पूरी तरह तबाह हो गए, जबकि 20 अन्य क्षतिग्रस्त हैं। रेड क्रॉस के मुताबिक करीब 93 हजार लोग आपदा से प्रभावित हुए हैं। नेपाल ने भारी क्षमता वाले ड्रोन, डीएनए जांच किट और शवों को सुरक्षित रखने वाले उपकरणों समेत अंतरराष्ट्रीय सहायता मांगी है। भारत और चीन की बचाव टीमें भी अभियान में जुट गई हैं।

घर और परिवार पूरी तरह से बर्बाद

रसुवा जिले की 20 वर्षीय कोपिला तामांग ने इस आपदा में परिवार के 17 सदस्यों को खो दिया। इनमें उनकी मां, बहन, दादी और एक महीने का भतीजा भी शामिल है। वर्ष 2015 के भूकंप में उनका घर तबाह हुआ था, लेकिन इस बार बाढ़ ने उनका नया घर और परिवार दोनों छीन लिए। कोपिला ने कहा कि वह खुद को बिल्कुल अकेला और खोया हुआ महसूस कर रही हैं।

नीट-पीजी में तकनीकी गड़बड़ी से हंगामा

जयपुर सेंटर की परीक्षा रद्द अब पांच सितंबर को होगी

बार-बार बंद होते रहे कंप्यूटर
2 घंटे में 10 बार पेपर रुका

नई दिल्ली/जयपुर (एजेंसी)। चिकित्सा के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए रविवार को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-पीजी)-2026 में 2.63 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, लेकिन राजस्थान के जयपुर में दो परीक्षा केंद्रों की बिजली आपूर्ति बाधित होने की वजह से परीक्षा पूरी नहीं हो सकी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आयुर्विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएएस)की ओर से जारी एक परिपत्र के अनुसार, प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए जयपुर में पांच सितंबर को अपराह्न तीन बजे दोबारा परीक्षा आयोजित की जाएगी। बताया जा रहा है कि जयपुर के सीतापुरा स्थित दो परीक्षा केंद्रों पर तकनीकी खराबी के कारण अफरा-तफरी मच गई। परीक्षा के दौरान बिजली आपूर्ति में गड़बड़ी के चलते कंप्यूटर सिस्टम बार-बार बंद होते रहे। इससे नाराज अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्र के बाहर प्रदर्शन किया। बाद में प्रभावित केंद्रों की परीक्षा रद्द कर दी गई। अब इन केंद्रों पर पंजीकृत 2,445 अभ्यर्थियों की परीक्षा 5 सितंबर को दोपहर तीन बजे दोबारा होगी। करीब दो घंटे के दौरान 10 बार परीक्षा बाधित होने से अभ्यर्थियों में नाराजगी बढ़ गई।

पेपर लीक की आशंका

लगातार कंप्यूटर बंद होने और अलग-अलग सिस्टम पर अलग संख्या में सवाल दिखाई देने के बाद कुछ अभ्यर्थियों ने परीक्षा की गोपनीयता पर सवाल उठाए और पेपर लीक की आशंका जताई। हालांकि, पेपर लीक होने की अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। परीक्षा रद्द किए जाने की आधिकारिक वजह बिजली आपूर्ति से जुड़ी तकनीकी समस्या बताई गई है। नीट पीजी-2026 की परीक्षा रविवार को देशभर में आयोजित हुई। 2.65 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

हिमांशु भाऊ गिरोह पर शिकंजा

4 गुर्गे राजस्थान से पकड़े इनमें 2 हरियाणा के वासी

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली पुलिस ने राजधानी दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में हत्या, हत्या के प्रयास एवं गोलीबारी के कई मामलों में वांछित दो अपराधियों सहित हिमांशु भाऊ गिरोह के चार गुर्गों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, इन दो अपराधियों की पहचान हरियाणा के जींद निवासी 19 वर्षीय रमन उर्फ फौजी और चरखी दादरी निवासी 22 वर्षीय करण के रूप में हुई है। वहीं शेखर तिवारी (23) और विनोद तिवारी (30) को इन दोनों अपराधियों को कथित तौर पर पनाह देने और उनके लिए पैसों का लेन-देन करने के आरोप में पकड़ा गया है। शेखर और विनोद दोनों भाई हैं। इन पर कई अपराधों को अंजाम देने के आरोप हैं।

- कई गंभीर अपराधों को अंजाम देने का आरोप

हाईकोर्ट का फैसला

सरकारी कर्मचारियों की विदेश यात्रा पर रोक हटाई

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार के 10 जून के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें सरकारी कर्मचारियों की विदेश यात्रा पर सितंबर 2026 तक प्रतिबंध लगाया था। अदालत ने कहा कि केवल सरकारी सेवा में होने के आधार पर नागरिकों के एक पूरे वर्ग की विदेश यात्रा पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना स्पष्ट रूप से मनमाना है। अदालत ने कहा कि ये प्रतिबंध सरकार के बताए गए उद्देश्य की तुलना में 'बेहद असंगत' है। न्यायमूर्ति हरप्रीत सिंह बराड़ ने 27 अगस्त को दिए अपने आदेश में राज्य के अधिकारियों को एक नर्सिंग अधिकारी को व्यावसायिक परीक्षा के लिए ऑस्ट्रेलिया जाने की अनुमति देने का निर्देश दिया।

- हरियाणा सरकार के 10 जून के निर्देश रद्द

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस भुइयां बोले

सवाल पूछना विद्रोह नहीं अलग आवाजें भी सुनें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्जल भुइयां ने रविवार को कहा कि अलग राय रखने या सवाल पूछने वाले छात्रों को दंडात्मक कार्रवाई की धमकी नहीं दी जा सकती। ऐसा करना असांविधानिक और सत्ता का दुरुपयोग है। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसी जगह होनी चाहिए, जहां स्थापित धारणाओं की जांच और सवाल किए जा सकें तथा असहमति का जवाब दुश्मनी से नहीं दिया जाए। सवाल पूछना विद्रोह नहीं होता। लोकतंत्र में अलग आवाज भी सुनी जानी चाहिए। विश्वविद्यालय वह जगह है, जहां स्वतंत्र रूप से सोचने की आदत विकसित होती है और छात्र कठिन सवाल पूछने में संकोच नहीं करता।

- छात्रों को धमकी देना सत्ता व पद का दुरुपयोग

लंदन में 43वें अंतरराष्ट्रीय आर्थिक अपराध संगोष्ठी में बोले सूर्यकांत

न्यायपालिका गंभीर मामलों में संसद का इंतजार नहीं करती : सीजेआई

केंद्र-राज्यों को कठोर कानून बनाने के लिए कहा, नए अपराधों से निपटने में न्यायपालिका पीछे नहीं हटेगी

अलग अपराध व नुकसान के अनुपात में सजा की पैरवी, लंबी हिरासत को सजा में बदलने से भी चेताया

'डिजिटल अरेस्ट' पर सुप्रीम कोर्ट ने खुद लिया संज्ञान

लंदन (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि गंभीर व उभरती चुनौतियों के मामलों में न्यायपालिका संसद के कानून बनाने का इंतजार नहीं करती, बल्कि संविधान के तहत उपलब्ध अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए सक्रिय भूमिका निभाती है। उन्होंने 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे नए तरह के साइबर अपराध का उदाहरण देते हुए बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई की है। लंदन में 43वें अंतरराष्ट्रीय आर्थिक अपराध संगोष्ठी के समापन समारोह में सीजेआई ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों में ठग वीडियो कॉल के जरिये खुद को पुलिस, न्यायपालिका या किसी सरकारी विभाग का अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं और उनसे धन ऐंठते हैं।

अलग अपराध के रूप में परिभाषित हो

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों से डिजिटल अरेस्ट की समस्या के व्यापक स्तर का आकलन करने तथा इसे अलग अपराध के रूप में परिभाषित करने की दिशा में कदम उठाने को कहा था। अदालत ने नुकसान के अनुपात में सजा तय करने की जरूरत पर भी जोर दिया था।

मनी लॉन्ड्रिंग का पैसा वापस लाना बड़ी चुनौती

सीजेआई ने कहा कि दुनिया में हर वर्ष बड़े पैमाने पर अवैध धन की मनी लॉन्ड्रिंग होती है, लेकिन उसके मुकाबले बहुत छोटा हिस्सा ही वापस हासिल हो पाता है। अवैध संपत्ति की बरामदगी और उसे मूल पीड़ितों या व्यवस्था तक वापस पहुंचाना बड़ी चुनौती है। उन्होंने आर्थिक अपराधों की सीमा पार प्रकृति का उल्लेख करते हुए कहा कि अवैध धन अक्सर दूसरे देशों में पहुंच जाता है। ऐसे मामलों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी है। म्यूचुअल लीगल असिस्टेंस ट्रीटी के माध्यम से दूसरे देशों से सहयोग लेकर अवैध संपत्ति की पहचान और बरामदगी की जा सकती है।

गिरफ्तारी की वजह लिखित में देना जरूरी

सीजेआई ने कहा कि किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करते समय गिरफ्तारी के कारण लिखित रूप में बताना जरूरी है। केवल मौखिक रूप से कारण बताना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल से जुड़े मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी आरोपी को लंबे समय तक मुकदमे से पहले हिरासत में रखना अपने आप में सजा में तब्दील नहीं होना चाहिए।

खबर संक्षेप

मिलेनियम से नर्क सिटी बना गुरुग्राम : चौटाला

चंडीगढ़। इनेलो अध्यक्ष अभय चौटाला ने गुरुग्राम की जलभराव और बदहाल व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम हरियाणा का सबसे अधिक राजस्व देने वाला जिला है, इसके बावजूद भाजपा सरकार ने इसे मिलेनियम सिटी से नर्क सिटी बना दिया है। उन्होंने सरकार से पिछले 11 वर्षों में गुरुग्राम के ड्रेनेज सिस्टम के लिए आवंटित बजट और उसके खर्च का विस्तृत श्वेतपत्र जारी करने की मांग की। अभय चौटाला ने कहा कि यह जनता के टैक्स का पैसा है और लोगों को यह जानने का पूरा अधिकार है कि कितना बजट आवंटित हुआ, कहां और किस काम पर खर्च किया गया।

बुजुर्गों और दिव्यांगों की पेंशन 5000 करने की मांग

चंडीगढ़। 'एक मुहिम बुजुर्गों के नाम' के तहत बुजुर्गों, विधवा महिलाओं और दिव्यांगजनों की पेंशन बढ़ाने की मांग को लेकर समाजसेवक जसविंदर सिंह लक्की ने अपने साथियों के साथ अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया सत्यपाल जैन से मुलाकात की और उन्हें मांगपत्र सौंपा। मांगपत्र के माध्यम से सरकार से बुजुर्गों, विधवा महिलाओं और दिव्यांगजनों को मिलने वाली वर्तमान पेंशन राशि बढ़ाकर 5 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग की गई। जसविंदर सिंह लक्की ने कहा कि बढ़ती महंगाई के दौर में मौजूदा पेंशन राशि जरूरतमंद लोगों के लिए पर्याप्त नहीं है।

आम लोगों को सीपीआर सिखाएंगे पीजीआई विशेषज्ञ

पंचकूला। किसी व्यक्ति को अचानक कार्डियक अरेस्ट होने पर अस्पताल या एंबुलेंस पहुंचने से पहले मौके पर मौजूद व्यक्ति की भूमिका उसकी जान बचाने में महत्वपूर्ण हो सकती है। इसी उद्देश्य से पीजीआई चंडीगढ़ और चंडीगढ़ सिटीजंस फाउंडेशन (सीसीएफ) ने आम नागरिकों को सीपीआर और बुनियादी जीवन रक्षक तकनीक सिखाने का अभियान शुरू किया है। सीसीएफ की गवर्निंग काउंसिल की सदस्य एवं हरियाणा की पूर्व मुख्य सचिव केशनी आनंद अरोड़ा इस अभियान की अगुवाई कर रही हैं 'बाईस्टैंडर्स कैन सेव लाइव्स' के संदेश के साथ शुरू किए गए 'प्रोजेक्ट बीएलएस' का शुभारंभ रविवार को पंचकूला के शिवालिक कंट्री क्लब में पीजीआई निदेशक प्रो. विवेक लाल ने किया। पहले प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेक्टर-6 एमडीसी, पंचकूला के निवासियों ने हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री ने संत कबीर कुटीर में हरियाणा व पंजाब के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित किया

शिक्षा से ही बदलेगा घुमंतू समाज का भाग्य, बच्चों को जरूर पढ़ाएं माता-पिता

नायब सिंह ने विमुक्त और घुमंतू समाज के शूरवीरों और महापुरुषों के योगदान को सराहा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विमुक्त एवं घुमंतू समाज का इतिहास बहुत पुराना, गौरवशाली और प्रेरणादायक है। कठिन से कठिन हालात में भी इस समाज के लोगों ने अपनी अटूट मेहनत, समृद्ध कला, अनुपम संस्कृति और अपने स्वाभिमान को सदैव जीवित रखा है।जब भी हम भारत के इतिहास और इसके स्वर्णिम अतीत को देखते हैं, तो विमुक्त और घुमंतू समाज के शूरवीरों और महापुरुषों का योगदान स्वर्ण अक्षरों में चमकता दिखाई देता है। भाई मक्खन शाह लबाना, जिन्होंने सच्चे गुरु की पहचान कराकर पूरी दुनिया को सही मार्ग दिखाया।

भाई लखी शाह बंजारा एवं भाई निगाहिया, जिन्होंने गुरु तेग बहादुर जी के पावन शरीर का अपने घर में अंतिम संस्कार कर अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। योद्धा भाई जैता , जो कि चांदनी चौक से गुरु साहिब का पावन शीश आनंदपुर साहिब पहुंचाकर 'गुरु का बेटा' कहलाए। मुख्यमंत्री रविवार को अपने चंडीगढ़ स्थित आवास संत कबीर कुटीर में आयोजित हरियाणा व पंजाब की समस्त घुमंतू जातियों के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिकलीगर व बंजारा समाज के हुनरमंद वीरों ने मुगलों के खिलाफ युद्ध में अचूक अस्त्र-शस्त्र बनाकर खालसा फौज को ताकत दी।

भामाशाह और बंजारा समाज के नायक, जिन्होंने महाराणा प्रताप के स्वाभिमान संग्राम में रसद-सामग्री पहुंचाकर देश की रक्षा की। ये सभी हमारे राष्ट्र के असली हीरो हैं।उन्होंने कहा कि वीरता आपको अपने पूर्वजों से विरासत में मिली है। इसी राष्ट्रभक्ति के बल पर आपने आजादी के आंदोलन में अंग्रेजी हुकूमत की नाक में दम कर दिया था। इसी से बोखलाकर अंग्रेजों ने 1871 में क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट नाम का काला कानून बनाकर आपके देशभक्त समाज को जन्मजात अपराधी घोषित करने का घिनौना पाप किया। आजादी के बाद 31 अगस्त, 1952 को यह कलंक हमेशा के लिए मिटा, इसीलिए इस ऐतिहासिक दिन को हम 'विमुक्ति दिवस' के रूप में मनाते हैं। उन्होंने कहा कि केवल विमुक्ति दिवस मनाने भर से काम नहीं चलने वाला। आपको वह सब मिलना चाहिए जो अंग्रेजों ने आपसे छीना था। आजादी के बाद लंबे समय तक शासन करने वाली सरकारों ने समाज की सुध नहीं ली और मूलभूत अधिकारों से वंचित रखा।

85815 परिवारों को 416 करोड़ की मदद

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली, तो 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मूलमंत्र दिया। हमारी डबल इंजन सरकार इसी भावना से गरीब कल्याण के काम कर रही है। पीएम आवास योजना के तहत हरियाणा में 1.60 लाख परिवारों को पक्के मकान दिए गए। करनाल, पलवल और रोहतक में 702 घुमंतू परिवारों को प्लॉट आवंटित किए गए हैं, जो उनके सुरक्षित भविष्य की नींव है। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत मकान मरम्मत सहायता राशि 30,000 से बढ़ाकर 80,000 रुपये की गई, जिससे 85,815 परिवारों को 416 करोड़ रुपये की मदद मिली। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों को मात्र 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे 15 लाख से अधिक बहनों को लाभ मिला है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी की मौजूदगी में पंजाब के तीन दर्जन से अधिक नेताओं ने थामा भाजपा का दामन

चंडीगढ़। पंजाब के लहरागागा (सतराणा हलका) क्षेत्र में भाजपा को उस समय राजनीतिक मजबूती मिली, जब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में पटियाला, मानसा, संगरूर, पातड़ा और लहरागागा क्षेत्र से जुड़े तीन दर्जन से अधिक लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इनमें आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल से जुड़े रहे कार्यकर्ताओं के अलावा सामाजिक कार्यकर्ता, कारोबारी, किसान, ठेकेदार, पूर्व सैनिक और अन्य वर्गों के लोग शामिल रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा का परिवार लगातार बढ़ रहा है। विभिन्न वर्गों के लोगों का पार्टी से जुड़ना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हो रहे विकास कार्यों और भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों में बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। भाजपा में शामिल होने वालों में ओलंपिक अवॉर्डी मनप्रीत कौर, किसान यूनियन से जुड़े निर्मल सिंह, किसान रामपाल लब्बल, कारोबारी दीपक गर्ग, अमितपाल सिंह और सुखजीत शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता दौली राम, तारा सिंह, सुशील कुमार और मनदीप सिंह, प्रॉपर्टी व्यवसाय से जुड़े बलविंदर सिंह तथा ठेकेदार सुखविंदर सहित अन्य शामिल हुए।

गर्भवती की 'समृद्धि' पोर्टल के से होगी डिजिटल निगरानी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार मातृ एवं नवजात मृत्यु दर को कम करने और गर्भवती महिलाओं को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए 'समृद्धि' (सेफ मदरहुड एंड चाइल्ड हेल्थ इनीशिएटिव) पहल को लागू कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश की हर गर्भवती महिला का इस पोर्टल पर पंजीकरण हो और गर्भावस्था से लेकर प्रसव तथा प्रसव के बाद तक उसके स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक तकनीक की मदद से 'समृद्धि' पोर्टल, राज्य स्तरीय कमांड सेंटर और 102 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कॉल सेंटर को एक साथ जोड़ा जाएगा। इससे गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने, जोखिम वाली गर्भावस्था की समय पर पहचान करने और जरूरत पड़ने पर गर्भवती महिलाओं को तुरंत बड़े अस्पताल में भेजने में मदद मिलेगी।

लद्दाख के सोलर प्लांट की बिजली अब कैथल पहुंचेगी

कैथल। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि लद्दाख में स्थापित होने वाले सिंगल लोकेशन सोलर प्लांट से कैथल तक बिजली पहुंचाई जाएगी। करीब 45 हजार करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना के तहत लद्दाख परियोजना की ऊर्जा को कैथल तक लेह मनाली सड़क से 900 किलोमीटर की लाइन बिछाकर पहुंचाया जाएगा। उन्होंने बताया कि परियोजना के पूरा होने के बाद लद्दाख में उत्पादित सौर ऊर्जा की ट्रांसमिशन लाइन सीधे कैथल तक पहुंच सकेगी। इसके बाद यह सौर ऊर्जा को कैथल से ही प्रदेश के अन्य जिलों में भेजा जाएगा। इस प्लांट से डीजल जेनसेट पर निर्भरता खत्म हो जाएगी। वे रविवार को कैथल के आरकेएसडी कॉलेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ने उत्तराखंड में कांग्रेस के स्टेट शुद्धिकरण के मुद्दे को लेकर पूछे गए सवाल पर इसे उल-जुलूल बातें बताया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच करवाकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं उन्होंने लोकसभा में कांग्रेस द्वारा किए गए व्यवधान को लेकर भी निशाना साधा।

■ लेह मनाली सड़क से 900 किमी .की लाइन बिछाकर पहुंचाया जाएगा : मनोहर लाल

यमुना में बहे सत्यम का शव मिला, शिवम की तलाश जारी

गन्नौर। यमुना के बेगा घाट पर नहाने के दौरान पानी के तेज बहाव में बहे दो सगे भाइयों में से 15 वर्षीय सत्यम का शव बरामद हो गया है, जबकि उसके बड़े भाई 17 वर्षीय शिवम की तलाश जारी है। सत्यम का शव बेगा घाट से कुछ दूरी पर यमुना नदी में मिला। शव मिलने की सूचना के बाद स्वजन में कोहराम मच गया। गांव सनपेड़ा के रहने वाले दोनों भाई शिवम और सत्यम अपने 16 वर्षीय दोस्त प्रिंस के साथ यमुना के बेगा घाट पर नहाने आए थे। तीनों किशोर यमुना में नहा रहे थे। इसी दौरान शिवम और सत्यम तैरते हुए किनारे से काफी आगे निकल गए और पानी के तेज बहाव में फंसकर बह गए। उनका दोस्त प्रिंस किसी तरह सुरक्षित बाहर निकल आया और घटना की जानकारी ग्रामीणों को दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और गन्नौर पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों किशोरों की तलाश के लिए गोताखोरों को यमुना में उतारा गया। तलाशी अभियान के दौरान सत्यम का शव बरामद हो गया, जबकि शिवम का अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। शिवम की तलाश के लिए गोताखोरों के साथ एनडीआरआई की टीम भी बचाव अभियान में जुटी हुई है। पुलिस कर्मचारी भी अलर्ट पर है।

■ यमुना में नहाते हुए तेज बहाव में बह गए थे दोनों भाई

इलेवन पावर को बिजली लाइसेंस देने की सिफारिश पर भड़के कर्मचारी संगठन

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

गुरुग्राम और नूंह के बिजली वितरण क्षेत्र में निजी कंपनी के प्रवेश की संभावित राह खुलने के साथ ही राजनीतिक और कर्मचारी विरोध तेज हो गया है। हरियाणा विद्युत नियामक आयोग के समक्ष चल रही प्रक्रिया में इलेवन पावर प्राइवेट लिमिटेड को समानांतर बिजली वितरण लाइसेंस देने की विशेषज्ञ समिति की सिफारिश ने बिजली कर्मचारियों और अभियंताओं के संगठनों को लामबंद कर दिया है। संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने इस मुद्दे को केवल दो जिलों का मामला न मानते हुए इसे प्रदेश के ग्रामीण, कृषि और घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के हितों से जोड़ दिया है। इसी विरोध के तहत रविवार को प्रदेशभर में बिजली कर्मचारी संगठनों ने मंत्रियों और विधायकों को ज्ञापन सौंपे। संगठन सभी मंत्रियों समेत प्रदेश के 90 विधायकों से मांग कर रहे हैं कि मौजूदा विधानसभा मानसून सत्र में इस मुद्दे को सदन में उठाया जाए। संगठनों का तर्क है कि निजी कंपनी को समानांतर वितरण लाइसेंस मिलने से बिजली क्षेत्र के मौजूदा क्रॉस-सब्सिडी मॉडल पर गंभीर असर पड़ सकता है।

विज बोले- कर्मचारियों के साथ खड़े मिलेंगे

बिजली कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने ऊर्जा मंत्री अनिल विज को भी ज्ञापन सौंपा। इस दौरान विज ने कर्मचारियों के साथ बेबाकी से अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि बतौर मंत्री वह कर्मचारियों के साथ हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि रिकॉर्ड निकलवाकर देख लिया जाए, वह बिंदुवार कर्मचारियों के साथ खड़े मिलेंगे। ऊर्जा मंत्री के इस बयान ने पूरे विवाद को राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण बना दिया है। एक ओर नियामक आयोग की प्रक्रिया चल रही है, वहीं दूसरी ओर सरकार के ही ऊर्जा विभाग के मंत्री का कर्मचारियों के पक्ष में खुलकर सामने आना आने वाले विस सत्र में इस मुद्दे को अधिक धार दे सकता है।

ओबीसी छात्रवृत्ति पर सवाल, 52 हजार आवेदन मंजूर हुए, एक को भी नहीं मिला भुगतान

योगेंद्र शर्मा ⏭ चंडीगढ़

■ विधायक आदित्य सुरजेवाला के सवाल के जवाब में विभाग ने दी जानकारी

हरियाणा में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के विद्यार्थियों को मिलने वाली मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना के आंकड़ों ने मंजूर आवेदनों और वास्तविक भुगतान के बीच बड़ा अंतर उजागर कर दिया है। उक्त पूरे मामले में विधानसभा में कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला के सवाल के जवाब में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से रखे गए आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2019-20 से 2025-26 के बीच ओबीसी विद्यार्थियों के 3.99 लाख आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 3.19 लाख आवेदनों को मंजूरी दी गई। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में 52,023 ओबीसी विद्यार्थियों के आवेदन मंजूर किए, लेकिन इसके बावजूद किसी भी विद्यार्थी को छात्रवृत्ति का भुगतान दर्ज नहीं किया गया। इससे योजना के क्रियान्वयन और भुगतान प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं वर्ष 2023-24 में 50,910 विद्यार्थियों के आवेदन मंजूर किए गए थे, लेकिन इनमें से केवल 17,937 विद्यार्थियों को ही छात्रवृत्ति की राशि मिल सकी। यानी बड़ी संख्या में मंजूर आवेदनों के बावजूद विद्यार्थी भुगतान का इंतजार करते रहे।

एससी विद्यार्थियों के मामले में स्थिति बेहतर

आंकड़ों में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों और ओबीसी विद्यार्थियों के बीच भी बड़ा अंतर सामने आया है। वर्ष 2019-20 से 2025-26 के दौरान अनुसूचित जाति के 4.28 लाख मंजूर आवेदनों में से 4.19 लाख विद्यार्थियों को भुगतान किया गया और इसके मुकाबले ओबीसी वर्ग में मंजूर आवेदनों के अनुपात में भुगतान काफी कम रहा।

आधार और सत्यापन के कारण भुगतान में देरी

भुगतान में देरी के पीछे निष्क्रिय या आधार से जुड़े नहीं हुए आधार नंबर, आवेदनों में कमियां, सत्यापन में देरी और दस्तावेज पूरे नहीं होने जैसे कारण बताए जा रहे हैं। सरकार के अनुसार इन वजहों से बड़ी संख्या में आवेदनों की प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं हो सकी विभाग ने यह भी बताया कि वर्ष 2025-26 की करीब 98 करोड़ की अप्रयुक्त राशि आवेदन सत्यापन की प्रक्रिया जारी रहने के कारण आगे ले जाई गई। सरकार के अनुसार लंबित आवेदनों के सत्यापन और अन्य प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद राशि वितरित की जा रही है।

चार वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट में बनेगी 50 मेगावाट बिजली

चंडीगढ़। हरियाणा में शहरी कचरा प्रबंधन को आधुनिक और वैज्ञानिक बनाने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। हिसार, अंबाला, फरीदाबाद और गुरुग्राम क्लस्टर में चार इंटीग्रेटेड वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इन संयंत्रों के शुरू होने के बाद प्रतिदिन कुल 5 हजार टन कचरे का वैज्ञानिक प्रसंस्करण होगा और करीब 50 मेगावाट ऊर्जा का उत्पादन किया जाएगा। चारों संयंत्र अक्टूबर 2028 तक शुरू होने की उम्मीद है। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि सरकार का उद्देश्य कचरे को समस्या के रूप में देखने के बजाय उसे ऊर्जा और उपयोगी संसाधन में बदलना है। गोयल ने बताया कि फरीदाबाद क्लस्टर में प्रतिदिन 1600 टन कचरे का प्रसंस्करण किया जाएगा, जिससे न्यूनतम 16 मेगावाट ऊर्जा का उत्पादन अपेक्षित है। हिसार क्लस्टर में 500 टन कचरे से न्यूनतम 5 मेगावाट, अंबाला में 900 टन कचरे से 9 मेगावाट और गुरुग्राम क्लस्टर में 2 हजार टन कचरे से न्यूनतम 20 मेगावाट ऊर्जा का उत्पादन किया जाएगा। इस तरह चारों संयंत्रों की संयुक्त क्षमता 5 हजार टन कचरे के दैनिक प्रसंस्करण और 50 मेगावाट ऊर्जा उत्पादन की होगी।

■ हिसार, अंबाला, फरीदाबाद और गुरुग्राम क्लस्टर में स्थापित होंगे प्लांट

नए बस परमिट की प्रक्रिया के विरोध में उतरे ऑपरेटर

चंडीगढ़। हरियाणा में निजी और सहकारी स्टेज कैरिज बस ऑपरेटरों ने परिवहन विभाग द्वारा मार्गवार अधिकतम परमिट संख्या अधिसूचित किए बिना एक सितंबर से नए परमिट के लिए आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया का विरोध किया है। ऑपरेटरों का आरोप है कि यह प्रक्रिया पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आठ अप्रैल के आदेश और अदालत में सरकार की ओर से दिए गए आश्वासन की भावना के अनुरूप नहीं है। स्टेज कैरिज प्राइवेट बस ऑपरेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. धन सिंह ने कहा कि सरकार को पहले प्रत्येक मार्ग पर यात्री भार, मार्ग की क्षमता, पहले से चल रही बसों और बाजार की वास्तविक संभावनाओं का वैज्ञानिक सर्वे कराना चाहिए। इसके बाद प्रत्येक मार्ग पर आर्थिक रूप से व्यवहार्य अधिकतम परमिट संख्या तय होनी चाहिए।

जाति के आधार पर भेदभाव सहन नहीं करेंगे : राव नरेंद्र

चंडीगढ़। कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ उत्तराखंड के हल्द्वानी में कथित तौर पर किए गए 'शुद्धिकरण' को लेकर हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने भाजपा और आरएसएस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के साथ जाति के आधार पर इस तरह का व्यवहार केवल उसका अपमान नहीं, बल्कि संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक समानता की भावना का भी अपमान है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मानसून सत्र के दूसरे दिन आज फिर गरमा सकता है हरियाणा विधानसभा का सदन

विपक्ष के हमले का जवाब देने के लिए सत्ता पक्ष तैयार

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही सोमवार को एक बार फिर से शुरु होगी। पहला दिन हंगामे, शोरगुल और विपक्ष द्वारा काले कपड़े पहनकर आने के बाद में बाहर अंदर दोनों ही जगह पर संघर्ष हो गया था। शोरगुल नारेबाजी और हंगामा करने वाले कांग्रेस के आठ विधायकों को विस अध्यक्ष एक दिन के लिए निलंबित भी कर दिया था। लगातार दूसरे दिन की कार्यवाही में विपक्ष के हमलावर रहने के आसार हैं। दूसरे दिन की कार्यवाही के दौरान सत्र में रोजगार, जन्म के समय लिंगानुपात, सड़क हादसों में मौत, अस्पतालों की सुविधाएं, जिला अदालतों में लंबित मुकदमे और न्यायाधीशों की कमी से लेकर पेयजल, सीवरेज, अग्नि सुरक्षा और अधूरी विकास परियोजनाओं तक सरकार से जवाब मांगा जाएगा। विधानसभा की कार्यसूची में 31 अगस्त के लिए कुल 40 अतारांकित प्रश्न लगाए गए हैं। ये प्रश्न संख्या 41 से 80 तक हैं। विधानसभा में सरकार के सामने सबसे अहम सवालों में रोजगार का मुद्दा रहेगा। नूंह से विधायक आफताब अहमद ने जनवरी 2020 से जून 2026 तक रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत अभ्यर्थियों की जिला, वर्ष, शैक्षणिक योग्यता और गांववार संख्या मांगी है। उन्होंने यह भी पूछा है कि इनमें से कितने अभ्यर्थियों को रोजगार कार्यालयों के माध्यम से नौकरी मिली और पंजीकृत युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकार की नीति और व्यवस्था क्या है।

■ सत्र के पहले दिन हंगामा करने पर स्पीकर ने कांग्रेस के आठ विधायकों को किया था निलंबित

मुख्यमंत्री ने मंत्रियों के साथ में संत कबीर कुटीर में की अहम बैठक, बनाई रणनीति

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र से पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को चंडीगढ़ स्थित सरकारी आवास संत कबीर कुटीर पर मंत्रियों के साथ अनौपचारिक लेकिन अहम बैठक की। इस दौरान सत्र को लेकर रणनीति तैयार की गई। बैठक सीएम की अध्यक्षता में की गई। सत्र की तैयारियों के साथ-साथ सरकार से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर मंथन हुआ। बैठक में विधानसभा सत्र के दौरान सरकार की प्राथमिकताओं, उठाए जाने वाले अहम विषयों और विधायी कार्यों को लेकर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों के साथ प्रदेश के विभिन्न मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया। दूसरे दिन के सत्र को लेकर सरकार किसी भी स्तर पर तैयारी में कमी नहीं छोड़ना चाहती। ऐसे में मुख्यमंत्री की मंत्रियों के साथ यह बैठक सत्र से पहले सरकार के भीतर समन्वय मजबूत करने और महत्वपूर्ण मुद्दों पर स्पष्ट रणनीति तैयार करने के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कांग्रेस के विधायकों द्वारा हमलावर होने को लेकर भी मंथन हुआ और पलटवार को लेकर रणनीति तैयार की गई।

राज्यपाल से मिलकर ज्ञापन सौंपेंगे नेता प्रतिपक्ष हुड्डा

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के बाहर कांग्रेस के विधायकों और नेता विपक्ष के पास में कथित दुर्व्यवहार का मामला शांत होन का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को जहां सदन की कार्यवाही की तीन दिनों तक अवकाश के बाद में शुरू होगी। वहीं कांग्रेस ने फिर से तैयारी कर ली है। नेता विपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में सारे विधायक हरियाणा राजभवन में दोपहर बारह बजे जाएंगे। नेता विपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि वे विधायकों के साथ में हुए व्यवहार और सुरक्षा कर्मियों, पुलिस कर्मियों द्वारा पहले दिन किए गए दुर्व्यवहार को लेकर राज्यपाल असीम कुमार घोष से मिलकर लिखित में शिकायत देंगे। इस आशय की जानकारी नेता विपक्ष के मीडिया एडवाइजर सुनील परती ने दी।

जेलों में सुधार की मुहिम, 85% पेशियां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

हरियाणा सरकार जेलों को केवल सजा देने की व्यवस्था तक सीमित रखने के बजाय बंदियों के सुधार और पुनर्वास का केंद्र बनाने की दिशा में काम कर रही है। कारागार मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि सरकार का उद्देश्य बंदियों को सुधार कर समाज की मुख्यधारा में वापस लाना है। इसके लिए जेलों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ कौशल विकास, रोजगारपरक प्रशिक्षण और पुनर्वास की योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। न्यायिक प्रक्रिया को सरल और सुरक्षित बनाने के लिए प्रदेश की जेलों में 453 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रणालियां स्थापित की गई हैं। वर्तमान में करीब 85 प्रतिशत बंदियों की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कराई जा रही है। जिससे काफी समय बच रहा है।

जेलों की क्षमता 24280 रखने की, 26860 बंद

प्रदेश में वर्तमान में तीन केंद्रीय जेल, 17 जिला जेल और दो ओपन एयर जेल हैं। इनकी कुल अधिकृत क्षमता 24,280 बंदियों की है, जबकि एक अगस्त 2026 तक 26,860 बंदी जेलों में निरुद्ध थे। क्षमता से अधिक बंदियों की संख्या को देखते हुए सरकार नई जेलों के निर्माण के साथ मौजूदा जेलों को भी आधुनिक सुविधाओं और तकनीक से लैस कर रही है। रोहतक में करीब 90 करोड़ रुपये की लागत से 312 बंदियों की क्षमता वाली हाई सिक्योरिटी जेल का निर्माण तेजी से चल रहा है। फतेहाबाद में 1,200 बंदियों की क्षमता वाली नई जिला जेल का निर्माण किया जा रहा है। चरखी-दादरी में 1,200 और पंचकूला में 954 बंदियों की क्षमता वाली नई जिला जेलों के निर्माण की दिशा में भी कार्रवाई जारी है। जेलों में अन्य सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है, ताकि कैदियों को सुविधा मिल सके।

दयानंद मठ में पाखंड खंडन सम्मेलन, जुटे आर्य समाज के प्रतिनिधि

रोहतक से अंधविश्वास और पाखंडवाद के खिलाफ आर्य समाज का शंखनाद, प्रदेशभर में जनजागरण अभियान तेज करने का ऐलान

- वक्ताओं ने रामपाल के धार्मिक दावों व विचारों पर उठाए सवाल
- सरकार से दो माह में प्रभावी कार्रवाई और सहयोग की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा की ओर से रविवार को दयानंद मठ में आयोजित पाखंड खंडन सम्मेलन केवल एक धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आर्य समाज ने इसे समाज में फैल रहे कथित अंधविश्वास और पाखंड के खिलाफ प्रदेशभर में व्यापक जनजागरण अभियान की शुरुआत के रूप में प्रस्तुत किया। सम्मेलन में हरियाणा सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए आर्य समाज के प्रतिनिधियों और विद्वानों ने अपने विचार रखे। उन्होंने लोगों से तर्क, वेद और वैज्ञानिक सोच के आधार पर धर्म को समझने का आह्वान किया। आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान धर्मवीर आर्य ने कहा कि समाज को बांटने वाले और अंधविश्वास फैलाने वाले विचारों के खिलाफ जागरूक होना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आर्य समाज हमेशा से सत्य, तर्क और वैदिक सिद्धांतों के आधार पर समाज सुधार की दिशा में काम करता रहा है और आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। उपप्रधान उमेश शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आर्य समाज पहले भी पाखंड के खिलाफ संघर्ष करता रहा है। उन्होंने वर्ष 2006 के करौंथा और वर्ष 2013 के बरवाला घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि अब एक बार फिर लोगों को जागरूक करने की जरूरत महसूस की जा रही है। उन्होंने रामपाल के धार्मिक दावों और वेदों से जुड़े उनके विचारों पर सवाल उठाते हुए कहा कि वेदों की सही व्याख्या और शास्त्रार्थ के लिए आर्य समाज हमेशा तैयार है।

रोहतक। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वेद प्रचार अधिष्ठाता सच्चिदानंद एवं मौजूद आर्य समाजी। फोटो: हरिभूमि

आर्य समाज के कार्यकर्ता वैदिक विचारों का प्रचार करेंगे

वेद प्रचार अधिष्ठाता सच्चिदानंद ने कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष का व्यक्तिगत विरोध करना नहीं, बल्कि समाज में फैली भ्रामक धारणाओं के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि आर्य समाज के कार्यकर्ता गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचकर वैदिक विचारों का प्रचार करेंगे तथा लोगों को अंधविश्वास से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

धर्म का आधार ज्ञान और सत्यः विनय आर्य मंत्री

दिल्ली से पहुंचे विनय आर्य मंत्री ने कहा कि धर्म का आधार ज्ञान, सत्य और मानव कल्याण होना चाहिए। समाज को ऐसे किसी भी प्रचार से सावधान रहने की आवश्यकता है, जो लोगों को भ्रमित कर उनके विश्वास का अनुचित लाभ उठाता हो। सम्मेलन में सौम्या माथुर ने भी रामपाल के दावों और कथित धार्मिक प्रचार पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि महिलाओं और आम श्रद्धालुओं के प्रति अपमानजनक विचारों को समाज स्वीकार नहीं कर सकता। उन्होंने लोगों से बिना तर्क और प्रमाण के किसी भी दावे को स्वीकार न करने की अपील की।

दो माह में अभियान तेज करने का निर्णय

सम्मेलन के दौरान आर्य समाज की ओर से पाखंडवाद के खिलाफ अभियान को और व्यापक बनाने का निर्णय लिया गया। मंच से सरकार को दो माह का समय देते हुए इस दिशा में सहयोग और प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई। वक्ताओं ने कहा कि आगामी दो महीनों में व्यापक जनजागरण अभियान चलाकर लोगों तक वैदिक विचार और तर्कपूर्ण सोच पहुंचाई जाएगी। सम्मेलन के समापन पर आर्य समाज के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर समाज में सत्य, शिक्षा, संस्कार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को मजबूत करने तथा पाखंड के खिलाफ अभियान को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

खबर संक्षेप

2400 नशीली गोलियों के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

जींद। सीआईए स्टाफ ने गोहाना रोड पुल के नीचे बाइक सवार एक व्यक्ति को काबू कर उसके कब्जे से 2400 नशीली प्रतिबंधित गोलियां बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी गोलियां बेचने के लिए ग्राहकों का इंतजार कर रहा था। सीआईए टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान बाइक से लेप्रोजाम की 80 पत्तियां बरामद हुईं। प्रत्येक पत्ते में 30 गोलियां थीं। बरामद गोलियों का वजन 174.40 ग्राम पाया गया। आरोपी की पहचान गांव ढाणी भाटला, जिला हांसी निवासी विक्रम के रूप में हुई। एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है।

ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

यमुनानगर। जगाधरी वर्कशॉप और दराजपुर के बीच रविवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मृतक की उम्र करीब 55 से 60 वर्ष बताई जा रही है। तलाशी के दौरान उसकी जेब से कुछ दवाइयां और एक चाबी मिली, जबकि बाएं हाथ में घड़ी बंधी थी। पहचान संबंधी कोई दस्तावेज नहीं मिला। पुलिस ने शव को सिविल अस्पताल की मोर्चरी में 72 घंटे के लिए रखवा दिया है।

तालाब में डूबने से 30 वर्षीय व्यक्ति की मौत

चरखी दादरी। कस्बा बौंदकलां निवासी 30 वर्षीय दीपक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। दीपक अपने साथी सोनू के साथ खेतों में स्प्रे करने गया था। दोनों नेशनल हाईवे के पास स्थित तालाब पर पहुंचे, जहां सोनू नहाने लगा। इसी दौरान पैर फिसलने से दीपक गहरे पानी में डूब गया। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने उसे पानी से बाहर निकालकर बौंद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। गंभीर हालत में चिकित्सकों ने उसे दादरी नागरिक अस्पताल रेफर किया, जहां जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने मृतक के चचेरे भाई सुरजीत के बयान पर इत्तफाकिया मौत की कार्रवाई की है।

गुरुग्राम में 2 युवकों को घेरकर बेरहमी से पीटा

गुरुग्राम। गुरुग्राम के सेक्टर-12 इलाके से एक युवक के साथ बेरहमी से मारपीट कर दी गई। हमलावरों ने युवक पर हाथों में लोहे के पंच पहनकर ताबड़तोड़ हमला किया। इस हमले में युवक का चेहरा बुरी तरह लहूलुहान हो गया। उसकी नाक और होंठ तक फट गए। बचाने आए उसके दोस्त को भी जमकर पीटा गया। भरे बाजार हुए इस हमले का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें चार-पांच हमलावर सफेद शर्ट पहने युवक की पिटाई कर रहे है। युवक हाथ जोड़कर जाने बख्शने की गुहार लगा रहा है, लेकिन हमलावर उस पर लगातार वार करते जा रहे है। हैरानी की बात यह है कि आसपास काफी लोग मौजूद है, लेकिन कोई थी युवक को बचाने नहीं आता। उधर, यह वीडियो आते ही पुलिस की गंभीरता से लिया।

बीरू वाल्मीकि मर्डर केस से जुड़े हर्ष और बीरबल एनकाउंटर मामला

बैकफुट पर करनाल के विधायक आनंद, रोड़ समाज से माफी मांगी

- बोले- भाईचारा बनाए रखना जिम्मेदारी, महासभा प्रधान ने विधायक के कदम को सराहा
- शाम तक रिजल्ट आएगा, बयान के बाद युवकों को एनकाउंटर किया गया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल में बीरू वाल्मीकि हत्याकांड के बाद हुए हर्ष और बीरबल के एनकाउंटर को लेकर उठे सवालों के बीच रविवार को रोड समाज की बैठक पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में हुई। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, विधायक जगमोहन आनंद सहित रोड समाज के प्रमुख लोग मौजूद रहे। इस दौरान विधायक जगमोहन आनंद ने समाज की भावनाएं आहत होने पर माफी मांगी। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते 36 बिरादरी के बीच भाईचारा बनाए रखना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि उनकी किसी बात, बयान या व्यवहार से रोड समाज की भावनाएं आहत हुई हैं तो वह इसके लिए माफी मांगते हैं। उन्होंने कहा कि वह इस मामले में वीडियो या प्रेसनोट जारी कर अपना पक्ष रख सकते थे, लेकिन हर व्यक्ति अपनी सोच के अनुसार बात का अलग अर्थ निकाल सकता है। उन्होंने कहा कि हर काम का एक समय और परिस्थिति होती है। आज उन्हें रोड समाज के प्रमुख लोगों के साथ बैठकर अपनी बात रखने का अवसर मिला है। समाज की भावनाओं का सम्मान करना उनकी प्राथमिकता है।

करनाल। रेस्ट हाउस में वार्ता के बाद जानकारी देते विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, विधायक जगमोहन आनंद और रोड़ समाज के प्रधान बलकार सिंह।

बीरू वाल्मीकि की 5 अगस्त को हुई थी हत्या

बीरू वाल्मीकि की 5 अगस्त की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अगले दिन बीरू के परिजन और समर्थक आरोपियों की गिरफ्तारी और कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान विधायक जगमोहन आनंद ने शाम तक रिजल्ट देने की बात कही थी। इसके बाद 6 अगस्त की रात पुलिस ने रोड समाज के युवक हर्ष और बीरबल को एनकाउंटर में मार गिराया था। इसके बाद हर्ष के परिजनों और रोड समाज की ओर से एनकाउंटर की कार्रवाई पर सवाल उठाए गए। मामले को लेकर रविवार को समाज के प्रतिनिधियों की बैठक हुई।

समाज ने रखी थीं तीन मांगें

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि रोड समाज की ओर से सरकार के सामने तीन मांगें रखी गई थीं। इनमें से दो मांगों पर सरकार काम कर रही है, जबकि तीसरी मांग एनकाउंटर से संबंधित थी। उन्होंने कहा कि इसी मामले में समाज के बीच खेद प्रकट करते हुए उन्होंने माफी मांगी है। रोड महासभा के प्रधान बलकार सिंह ने कहा कि विधायक जगमोहन आनंद ने समाज को जोड़ने के लिए बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों को भी आपसी भाईचारा बनाए रखना चाहिए। बलकार सिंह ने मीडिया को लेकर भी समाज के लोगों से अपील की कि किसी भी पत्रकार को टारगेट न किया जाए। उन्होंने कहा कि मीडिया अपना काम कर रहा है और किसी व्यक्ति को निशाना बनाने या गलत टिप्पणी करने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि मामले में एक सितंबर तक का समय दिया गया है। इसके बाद आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

कुरुक्षेत्र में चलती कार में आग भाई-बहन ने कूदकर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

- चाचा-चाची को करनाल छोड़कर लौट रहे थे

पिहोवा नेशनल हाइवे 152 पर अचानक एक गाड़ी में आग लगने से गाड़ी जल गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड एवं पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। गनीमत रही कि स्कोडा गाड़ी में सवार गांव जुरासी निवासी शुभदीप कौर व उसका भाई हरमन ने आग लगती गाड़ी को रोककर तुरंत गाड़ी से निकलकर अपनी जान बचाई। तत्पश्चात उसने सम्बंधित विभाग को सूचना दी। गाड़ी में सवार चालक हरमन सिंह ने बताया कि वह कुरुक्षेत्र से पिहोवा के गांव जुरासी वाया 152 नेशनल हाईवे से जा रहे थे, जैसे ही वे

धनीरामपुरा मोड के समीप पहुंचे तभी गाड़ी से आग की लपटे निकलने लगी तभी उन्होंने गाड़ी को रोक निकलकर अपनी जान बचाई और फायर ब्रिगेड व पुलिस को सूचना दी। मौके पर फायर ब्रिगेड कर्मचारी सतीश कुमार, लखविंद्र सिंह, रविन्द्र सिंह सहित पुलिस टीम ने कड़ी मशक्कत के पश्चात आग पर काबू पाया। गाड़ी पूरी तरह जलकर राख हो गई थी।

आयुष्मान अस्पतालों के 6 माह से अटके भुगतान आईएमए ने सरकार को दिया अल्टीमेटम

- एक सितंबर को प्रदेशभर में 24 घंटे आयुष्मान सेवाएं रहेंगी बंद
- 16 सितंबर से पूरी तरह सेवा वापसी की चेतावनी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

आयुष्मान भारत योजना के तहत हरियाणा में मरीजों को सेवाएं देने वाले निजी अस्पतालों के सामने भुगतान में लगातार हो रही देरी के कारण गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) हरियाणा ने आयुष्मान हरियाणा के सीईओ को पत्र भेजकर लंबित दावों का तत्काल भुगतान करने की मांग की है। आईएमए के पदाधिकारियों का कहना कि अस्पतालों के भुगतान की पेंडेंसी अब छह महीने से अधिक हो चुकी है जबकि क्लेमों के निपटारे के लिए 15 दिन की समयसीमा तय की गई थी। आईएमए हरियाणा की अध्यक्ष डॉ. सुनीला सोनी और मानद सचिव डॉ. योगेश जिंदल सहित पदाधिकारियों ने पत्र में कहा कि भुगतान में लगातार देरी के चलते कई आयुष्मान अस्पताल गंभीर वित्तीय दबाव में हैं। आईएमए हरियाणा ने स्पष्ट किया है कि लंबित भुगतान के मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रदेश के आयुष्मान अस्पताल एक सितंबर को रात 12 बजे से उसी दिन रात 12 बजे तक यानी 24 घंटे आयुष्मान सेवाओं का सांकेतिक निलंबन करेंगे। यदि स्थिति में ठोस सुधार नहीं हुआ तो अस्पताल 16 सितंबर की रात 12 बजे से आयुष्मान सेवाओं से पूरी तरह हटने के लिए मजबूर हो सकते हैं।

बाइक के साइलेंसर में छिपा 6 फीट लंबा कोबरा, स्टार्ट करते ही निकाला फन

गौतम नंबरदार ने कड़ी मशक्कत के बाद किया रेस्क्यू

- नहर विभाग के बूस्टर पर खड़ी बाइक में सांप मिलने से कर्मचारियों में मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

ढाणी बाया वाली के रास्ते पर स्थित नहर विभाग के बूस्टर पर खड़ी एक बाइक के साइलेंसर में कोबरा छिप गया। कर्मचारी ने बाइक को स्टार्ट करने का प्रयास किया, तभी कोबरे ने फन को बाहर निकालकर फुंकारना आरंभ कर दिया। जिससे कर्मचारियों में हड़कंप मच गया तथा उन्होंने गोरक्षक टीम के सदस्य गौतम नंबरदार से संपर्क किया। मौके पर पहुंचे गौतम नंबरदार ने

आधे घंटे रेक्स्यू करके कोबरे को जीवित बाहर निकाला तथा जंगल में छोड़ दिया। गौतम नंबरदार ने बताया कि रेस्क्यू के दौरान कोबरा काफी आक्रामक नजर आया और लगातार तेज फंकार मार रहा था। बावजूद रेस्क्यू टीम ने पूरी सतर्कता और सुरक्षित तरीके से सांप को पकड़ लिया। करीब छह फीट लंबे कोबरा को पकड़ने के बाद उसे आबादी क्षेत्र से दूर प्राकृतिक वातावरण में सुरक्षित छोड़ दिया गया। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि बारिश के सीजन में जहरीले जीव-जंतु बिलों से बाहर निकलने लगते हैं। इसलिए घर, वाहन, खेत या आसपास सांप दिखाई देने पर घबराएं नहीं और उसे खुद पकड़ने अथवा मारने का प्रयास नहीं करें। सांप को छेड़ने से वह हमला कर सकता है। ऐसी स्थिति में तुरंत विशेषज्ञ स्नेक रेस्क्यू टीम को सूचना दें, ताकि सांप और इंसान दोनों को सुरक्षित बचाया जा सके।

ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक से निधन, गार्ड ऑफ ऑनर देकर नम आंखों से अंतिम विदाई

नांगल में एसएसबी जवान सोनू कुमार का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

- प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने परिवार को हरसंभव मदद का दिया भरोसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गांव नांगल निवासी और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 43वीं बटालियन में तैनात जवान सोनू कुमार का ड्यूटी के दौरान दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। रविवार को उनकी पार्थिव देह पैतृक गांव नांगल पहुंची, जहां पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। गांव के श्मशान घाट में सैन्य और प्रशासनिक सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। सैकड़ों ग्रामीणों, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। एसएसबी के सब इंस्पेक्टर हमीर सिंह ने बताया कि सोनू कुमार बटालियन में कांस्टेबल के पद पर निष्ठा और लगन से सेवाएं दे रहे थे। ड्यूटी के दौरान अचानक दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हुआ। उन्होंने कहा कि एसएसबी परिवार इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। विभागीय नियमों के अनुसार पेंशन और अन्य अनुग्रह सुविधाएं परिवार को जल्द उपलब्ध कराई जाएंगी। भिवानी के तहसीलदार जयवीर सिंह ने बताया कि प्रशासन की ओर से जवान को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई दी गई। सरकार के नियमानुसार परिवार को मिलने वाली सहायता राशि और अन्य सुविधाएं औपचारिकताएं पूरी होने के बाद जल्द उपलब्ध कराई जाएंगी। सोनू के मामा प्रीतम सिंह ने बताया कि वह वर्ष 2012 में एसएसबी में भर्ती हुए थे और करीब 14 वर्षों से देश सेवा कर रहे थे। परिवार में बुजुर्ग माता-पिता, तीन भाई और पांच वर्षीय बेटा है।

भिवानी। नांगल में सशस्त्र सीमा बल के जवान पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र चढ़ाते हुए।

धान के खेतों में आईं दरारें, बारिश नहीं हुई तो फसल को नुकसान की चिंता

प्रदेश में आज से फिर सक्रिय हो सकता है मानसून, बारिश के आसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद/ नारनौल

प्रदेश में लंबे समय से कमजोर चल रहा मानसून अब फिर सक्रिय होने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने आज से कई इलाकों में हल्की बारिश की संभावना जताई है। इससे उमस और गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं, बारिश की आस लगाए बैठे किसानों के लिए भी मौसम का यह बदलाव राहत भरा हो सकता है। वहीं, 3 सितंबर के बाद मानसून की सक्रियता बढ़ने की संभावना है। इससे प्रदेश के कई जिलों में बारिश का दौर बढ़ सकता है। कृषि मौसम विज्ञान विभाग, चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के अनुसार 31 अगस्त की रात से 2 सितंबर तक मौसम परिवर्तनशील रहने तथा बीच-बीच में बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना है। विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि इस दौरान पश्चिमी जिलों में कहीं-कहीं हवाओं और गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

मिल सकती है राहत

एचएयू हिसार के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार मानसून टर्फ की उत्तरी सीमा अमृतसर, नजीबाबाद, हरदोई, सुल्तानपुर, डालटागंज और पूर्णिया से होकर उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक बनी हुई है। वहीं पाकिस्तान के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इन मौसमी परिस्थितियों के चलते प्रदेश में 31 अगस्त से मानसून की सक्रियता में थोड़ी बढ़ोतरी होने की संभावना है।

पश्चिमी हरियाणा में ज्यादा असर

मौसम विभाग के अनुसार 31 अगस्त की रात से 2 सितंबर तक हरियाणा में मौसम परिवर्तनशील रहने की संभावना है। इस दौरान आसमान में बीच-बीच में बादल छाए रहेंगे और प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। पश्चिमी हरियाणा के जिलों में बारिश के ज्यादा आसार जताए गए हैं। यहां कहीं-कहीं तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं उत्तरी और दक्षिणी हरियाणा के कुछ इलाकों में भी हल्की बारिश होने की संभावना है। फतेहाबाद पश्चिमी हरियाणा में होने के कारण यहां भी स्थानीय स्तर पर बारिश की उम्मीद बनी हुई है। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के लिए यह बदलाव राहत भरा हो सकता है। हालांकि बारिश कितनी और किन क्षेत्रों में होगी, यह स्थानीय मौसम परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। आगामी दिनों में बादल छाने और बारिश की गतिविधियां बढ़ने से तापमान में भी कुछ गिरावट आने की संभावना है।

गिर सकता है तापमान

मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि 3 सितंबर के बाद प्रदेश में मानसून की सक्रियता में और बढ़ोतरी हो सकती है। इससे प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। मौसम में बदलाव के चलते दिन के तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जबकि रात के तापमान में मामूली बढ़ोतरी होने के आसार हैं। पिछले कई दिनों से उमस और गर्मी से परेशान लोगों को मानसून के सक्रिय होने से राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं किसान भी अच्छी बारिश की आस लगाए हुए हैं। कृषि मौसम विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ के अनुसार, 31 अगस्त से 2 सितंबर के बीच प्रदेश में बारिश की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। इसके बाद 3 सितंबर से मानसून के और सक्रिय होने के संकेत मिल रहे हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

नगर निगम के ट्रक में लगी आग, ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

गुरुग्राम। गुरुग्राम के दिल्ली-जयपुर हाईवे पर राजीव चौक के पास रविवार सुबह नगर निगम की सफाई करने वाली गाड़ी में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के दौरान चालक ने समय रहते ट्रक से कूदकर अपनी जान बचा ली, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सफाई वाहन रोज की तरह कचरा उठाने के कार्य में लगा था। राजीव चौक फ्लाईओवर के नीचे पहुंचते ही इंजन से धुआं निकलने लगा। चालक ने तुरंत वाहन को सडक़ किनारे रोका, लेकिन कुछ ही क्षणों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची।

इंडियन बैंक 100 शाखाओं के साथ ढाई हजार कर्मियों की करेगा भर्ती

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

सार्वजनिक क्षेत्र का इंडियन बैंक चालू वित्त वर्ष में करीब 100 नई शाखाएं खोलने की योजना बना रहा है। बैंक का मुख्य ध्यान देश के मध्य और पश्चिमी हिस्सों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने पर है। इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बिनोद कुमार ने कहा कि बढ़ते कारोबार को संभालने और सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की जगह भरने के लिए बैंक करीब 2,500 कर्मचारियों की भर्ती करेगा। इनमें विशेषज्ञ अधिकारी भी शामिल होंगे। कुमार ने कहा, ''पिछले साल हमने 100 शाखाएं खोली थीं। इस साल भी हमारी ऐसी ही योजना है। 15 अगस्त को स्थापना दिवस के अवसर पर ही बैंक ने देशभर में 15 शाखाओं का उद्घाटन किया।'' इंडियन बैंक की 30 जून, 2026 तक देश में 6,003 शाखाएं थीं।

इंडियन बैंक ने पिछले साल भी बैंक की 100 नई शाखाएं खोली थी

इलाहाबाद बैंक का 2020 में इंडियन बैंक में हुआ था विलय

विदेश में सिंगापुर, कोलंबो और जाफना में तीन शाखाएं तथा गांधीनगर में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) बैंकिंग इकाई थी। इलाहाबाद बैंक के 2020 में इंडियन बैंक में विलय के बाद बैंक ने पूर्वी क्षेत्र और उत्तर प्रदेश में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। कुमार ने कहा, ''अब हम देश के मध्य और पश्चिमी हिस्सों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।''

इंडियन बैंक Indian Bank आपका अपना बैंक • YOUR OWN BANK

एआरसी को बेचने की योजना

बैंक का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष के अंत तक सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) को कुल कर्ज के 1.5-1.6 प्रतिशत और शुद्ध एनपीए को 0.15-0.2 प्रतिशत तक लाने का है। उन्होंने कहा कि बैंक चालू वित्त वर्ष में 200 करोड़ रुपये के फंसे कर्ज को परिसंपत्ति पुनर्गठन कंपनी (एआरसी) को बेचने की भी योजना बना रहा है।

बैंक में कुल 41,875 कर्मचारी कार्यरत

भर्ती के बारे में उन्होंने कहा कि बैंक चालू वित्त वर्ष में अपने कर्मचारियों की संख्या में करीब 2,500 की बढ़ोतरी करेगा। 30 जून, 2026 को बैंक में कुल 41,875 कर्मचारी थे। परिसंपत्ति की गुणवत्ता के प्रबंधन के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा कि बैंक इसे काफी अच्छी तरह संभाल रहा है।

खबर संक्षेप

एस्टर की इकाई ने खरीदी एसटीएस में हिस्सेदारी

नई दिल्ली। एस्टर डीएम क्वालिटी केयर लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी केमिस्ट्री इंटरमीडिएट होल्डिंग्स लि. ने बांग्लादेश में पंजीकृत कंपनी एसटीएस होल्डिंग्स लिमिटेड में 14.21 प्रतिशत हिस्सेदारी 4.411 करोड़ डॉलर में खरीदी है। एस्टर डीएम क्वालिटी केयर ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह अधिग्रहण 29 नवंबर, 2024 को किए गए विलय रूपरेखा संबंधी समझौते के अनुरूप है। केमिस्ट्री इंटरमीडिएट होल्डिंग्स लिमिटेड मॉरीशस में पंजीकृत कंपनी है। कंपनी ने कहा कि इस अधिग्रहण को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की हैदराबाद पीठ ने 19 जून, 2026 को मंजूरी दी थी।

डिजिटल उर्वरक निगरानी प्रणाली का जल्द विस्तार

नई दिल्ली। सरकार ने रविवार को कहा कि वह उत्पादन से लेकर खुदरा बिक्री तक उर्वरकों की निगरानी करने वाले देशव्यापी डिजिटल मंच का विस्तार कर रही है। इसके तहत उर्वरकों की खरीद को व्यक्तिगत किसानों के भूमि रिकॉर्ड से जोड़ने और सब्सिडी भुगतान की अधिक करीबी निगरानी के लिए नई सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं। उर्वरक विभाग द्वारा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की तकनीकी मदद से संचालित एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) में 14 करोड़ से अधिक आधार से जुड़े खरीदार और 2.5 लाख से अधिक खुदरा विक्रेता पहले ही दर्ज हैं।

यह प्रणाली हर साल करीब सात करोड़ टन उर्वरक की बिक्री का प्रसंस्करण करती है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

ऊर्जा विश्लेषक कंपनी वॉर्टेक्सा ने जारी की रिपोर्ट

रूस को पेट्रोल भेजने वाला प्रमुख देश बना भारत, रिफाइनरी पर हमलों से बाधित हुई आपूर्ति

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

यूक्रेन के ड्रोन हमलों के कारण रूस की रिफाइनरी में ईंधन उत्पादन प्रभावित होने के बीच भारत, रूस को पेट्रोल की आपूर्ति करने वाले प्रमुख देशों में शामिल हो गया है। जहाज निगरानी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। ऊर्जा विश्लेषक कंपनी वॉर्टेक्सा के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में रूस का समुद्री रास्ते से पेट्रोल आयात करीब 1,25,000 बैरल प्रतिदिन के रिकॉर्ड पर पहुंच गया। यह पूरे माह के लिए लगभग 4.7 लाख टन के बराबर है।

■ यूक्रेन के ड्रोन हमलों से रूस की रिफाइनरी प्रभावित

रूस की रिफाइनरी पर लगातार हो रहे ड्रोन हमलों से घरेलू ईंधन उत्पादन में भारी गिरावट आई है। व्यापार सूत्रों के अनुसार, भारतीय रिफाइनरी इकाइयों ने पिछले दो माह में रूस को करीब 10 लाख बैरल पेट्रोल की आपूर्ति की है। इसमें मुख्य भूमिका गुजरात स्थित वाडिनार रिफाइनरी की रही है, जिसका संचालन नयारा एनर्जी करती है।

रूसी रिफाइनरी पर करीब 32 हमले

इस बीच, रूस के डीजल निर्यात पर भी भारी असर पड़ा है। वॉर्टेक्सा के अनुसार, 25 अगस्त तक अगस्त में रूस का समुद्री डीजल/गैसऑयल निर्यात करीब 1.5 लाख बैरल प्रतिदिन रहा है। मासिक आधार पर यह स्थिर रहा है, लेकिन एक साल पहले की समान अवधि के आंकड़े 6.10 लाख बैरल प्रतिदिन से काफी कम है।

भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीदी बढ़ाई

नयारा एनर्जी में रूस की सरकारी पेट्रोलियम कंपनी रोसनेफ्ट की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से भारत ने रूसी कच्चे तेल की खरीद में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है। जून और जुलाई में भारत ने प्रतिदिन 26 लाख बैरल से अधिक रूसी कच्चा तेल आयात किया, जो फरवरी में करीब 10 लाख बैरल प्रतिदिन था। यह भारत के कुल कच्चे तेल आयात का आधे से अधिक हिस्सा रहा।

रूस से आए कच्चे तेल को भारत पेट्रोल के रूप में वापस भेज रहा

ऐसी संभावना है कि रूस को निर्यात किया गया कुछ पेट्रोल भी रूसी कच्चे तेल से ही भारत में तैयार किया गया हो। इस तरह रूस से भारत आने वाला कच्चा तेल शोधन के बाद पेट्रोल के रूप में वापस रूस पहुंच रहा है। रूस दुनिया के बड़े कच्चे तेल निर्यातकों में शामिल है, लेकिन यूक्रेन के ड्रोन हमलों के कारण उसकी रिफाइनिंग क्षमता को बड़ा नुकसान पहुंचा है।

रूस के घरेलू पेट्रोल उत्पादन में 70 फीसदी गिरावट

घरेलू पेट्रोल उत्पादन में 70 प्रतिशत तक की गिरावट के चलते रूस को अब इसका आयात करना पड़ रहा है। इसके साथ ही देश में ईंधन बिक्री पर भी अंकुश जारी हैं। वॉर्टेक्सा के अनुसार, अगस्त में रूस को पेट्रोल की आपूर्ति करने वाले देशों में भारत, तुर्किये और मोरक्को शामिल रहे।

रूस ने पेट्रोल के निर्यात पर प्रतिबंध बढ़ाया

रूस ने जुलाई में पेट्रोल के निर्यात पर लागू पूर्ण प्रतिबंध को उत्पादकों और गैर-उत्पादकों दोनों के लिए जनवरी, 2027 के अंत तक बढ़ा दिया था। डीजल के निर्यात पर प्रतिबंध एक सितंबर, 2026 तक बढ़ाया गया है। रूस के अगस्त के पेट्रोल आयात में करीब 55 प्रतिशत, यानी लगभग 2.6 लाख टन, ऐसा माल था जिसे प्रतिबंधित जहाजों के जरिये पहुंचाया गया।

पेट्रोल एसटीएस के जरिए रूस पहुंचा

वॉर्टेक्सा के मुताबिक, अगस्त में भारत से रूस पहुंचने वाले पेट्रोल के सभी कार्गो प्रतिबंधित बेड़े के जहाजों पर लाए गए और भूमध्यसागर में जहाज-से-जहाज (एसटीएस) हस्तांतरण के जरिये रूस पहुंचे। रूस के अगस्त में कुल पेट्रोल आयात का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा जहाज-से-जहाज हस्तांतरण के जरिये पहुंचा। इनमें अधिकांश हस्तांतरण के दौरान जहाजों ने अपना स्वचालित पहचान तंत्र (एआईएस) बंद रखा।

खाड़ी युद्ध के तनाव से सराफा में उतार-चढ़ाव के आसार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी रोजगार के आंकड़ों और भू-राजनीतिक तनाव के बीच सर्राफा कारोबारी सितंबर माह में उतार-चढ़ाव के एक और दौर के लिए तैयार हैं। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशक भारत सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़ों पर भी नजर रखेंगे। बीते सप्ताह सोने की कीमतों से 6,000 रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक (जिंस एवं मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''आने वाला सप्ताह अत्यधिक उतार-चढ़ाव भरा रहने की संभावना है, क्योंकि बाजार भागीदार सितंबर में फेडरल रिजर्व की नीति में बदलाव की संभावना को भुनाने का प्रयास कर रहे हैं।'' मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अक्टूबर डिलिवरी वाला सोना वायदा पिछले सप्ताह 6,157 रुपये यानी 3.8 प्रतिशत गिरकर 1.56 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि सितंबर अनुबंध वाली चांदी 9,893 रुपये यानी चार प्रतिशत टूटकर 2.36 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

■ अमेरिकी रोजगार के आंकड़े भी बाजार को करेंगे प्रभावित

भारत-अमेरिका व्यापार पर उद्योग, निर्यातकों के साथ एक सितंबर को वाणिज्य मंत्रालय की बैठक

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय भारत-अमेरिका व्यापार की स्थिति पर चर्चा के लिए एक सितंबर को उद्योग संगठनों और निर्यात संवर्धन परिषदों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बैठक की अध्यक्षता मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन करेंगे। वह भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए देश के मुख्य वार्ताकार भी हैं। यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सितंबर के अंत में अमेरिका की यात्रा करेंगे। वह मिलवॉकी में जी-20 व्यापार मंत्रिस्तरीय बैठक में हिस्सा लेने के साथ अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। दो दिवसीय मंत्रिस्तरीय बैठक 30 सितंबर से शुरू होगी। वर्ष 2026 में जी-20 की अध्यक्षता अमेरिका के पास है।

कच्चे तेल की कीमतें तय करेंगी घरेलू शेयर बाजार की चाल

नई दिल्लीस्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह घरेलू सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों, कच्चे तेल की कीमतों की दिशा और अमेरिका के गैर-कृषि रोजगार के आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा वाहन बिक्री के आंकड़े और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की चाल को प्रभावित कर सकती हैं। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, ''आने वाला सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों के कारण बाजार के लिए काफी अहम रहने वाला है। घरेलू जीडीपी आंकड़ों के साथ वैश्विक आर्थिक आंकड़े भी बाजार की दिशा तय करेंगे।'' भारत की वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े 31 अगस्त को जारी किए जाएंगे। इसके अलावा निवेशकों की नजर अगस्त के विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़ों, जीएसटी संग्रह, विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये की चाल पर भी रहेगी।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत मजबूती से डटा रहा: सीतारमण

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि भारत ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच विदेशों में हो रहे घटनाक्रम पर लगातार नजर रखते हुए और देश की अपनी जरूरतों को ध्यान में रखकर मजबूती से स्थिति का सामना किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शिकागो में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, ''इसके परिणामस्वरूप भारतीय किसानों, भारतीय परिवारों और भारत की रसद व्यवस्था को नुकसान नहीं उठाना पड़ा।'' उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच कई देशों की आर्थिक गणनाएं गड़बड़ा गईं, लेकिन भारत ने अपनी सीमाओं के बावजूद चुनौतीपूर्ण माहौल में अपने नागरिकों की रक्षा करने में सफलता हासिल की। सीतारमण ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद से भारत ने सात प्रतिशत से अधिक की आर्थिक वृद्धि बनाए रखी है और इस साल भी वृद्धि इसी दायरे में रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि कोविड-19 महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, शुल्क संबंधी अनिश्चितताओं और ईरान-अमेरिका संघर्ष के बीच हासिल हुई है। वित्त मंत्री ने कहा कि वैश्विक घटनाक्रम पर नजर रखने के साथ-साथ घरेलू जरूरतों को समझने की भारत की क्षमता ने देश को अनिश्चित माहौल में मजबूती से आगे बढ़ने में मदद की। राजकोषीय अनुशासन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''हमने एक लक्ष्य तय किया है कि 2030 तक कर्ज को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 50 प्रतिशत के स्तर तक लाना है। इसलिए मैं उसी दिशा में काम करूंगी।''

■ वित्तमंत्री ने कहा किसानों और परिवारों को सुरक्षित रखा

सीमित उत्पादन के कारण मजबूत मांग का लाभ नहीं मिल रहा

टाटा मोटर्स की हिस्सेदारी और ईवी बुकिंग तीन गुना बढ़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र में बाजार हिस्सेदारी बढ़ा रही है और पिछले छह माह में उसकी ईवी बुकिंग में तीन गुना वृद्धि हुई। कंपनी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हालांकि सीमित उत्पादन क्षमता के कारण मजबूत मांग का पूरी तरह लाभ नहीं मिल पा रहा है।टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी (सीसीओ) विवेक श्रीवास्तव ने कहा, ''अगर आप पिछले दो-तीन महीनों को देखें, तो हम वास्तव में हर महीने बाजार हिस्सेदारी हासिल कर रहे हैं। वास्तव में पिछले छह महीनों में हमारे और दूसरे नंबर के खिलाड़ी के बीच का अंतर बढ़ा है।

वाणिज्यिक वाहनों की मांग होगी मजबूत : सीईओ

टाटा मोटर्स को अपने इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों की मांग मजबूत बने रहने और आगे भी इसमें वृद्धि होने की उम्मीद है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गिरिश वाघ ने यह बात कही है।

उन्होंने बातचीत में कहा कि चीन से सेल के आयात को लेकर जो आपूर्ति संबंधी दिक्कतें हैं, उनके चालू वित्त वर्ष के अंत तक पूरी तरह हल होने की उम्मीद है।

ईवी क्षेत्र की सालाना आधार पर 77 फीसदी की वृद्धि

श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान गति के आधार पर सितंबर-दिसंबर तिमाही उद्योग के लिए अब तक की सबसे बड़ी तिमाही हो सकती है। उन्होंने कहा कि ईवी क्षेत्र तेजी से बढ़ा है, जिसमें सालाना आधार पर 77 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसका अर्थ है कि त्योहारी सत्र बेहद सकारात्मक रहने वाला है और इस दौरान उद्योग के लिए सबसे बड़ी तिमाही होने की पूरी संभावना है।

हमारे पास सबसे व्यापक उत्पाद श्रृंखलाः टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड समूह का हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हमारे उत्पादों पर उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ रहा है, और हमारे पास सबसे व्यापक उत्पाद श्रृंखला है, जो विभिन्न जरूरतों के लिए ईवी उपलब्ध कराती है।

राशिफल

मेष: संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष: खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन: शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क: क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह: कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या: कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला: लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

वृश्चिक: संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु: स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर: आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ: क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मीन: किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

एसबीआई, एनएसई के आईपीओ में एक प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और उसकी अनुषंगी एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड... नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रस्तावित 30,000 करोड़ रुपये के आईपीओ के जरिये एक्सचेंज में अपनी कुल एक प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेच सकते हैं। एसबीआई के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने कहा कि बैंक एनएसई के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में हिस्सा लेगा और अपनी 0.65 प्रतिशत हिस्सेदारी का विनिवेश करेगा। उन्होंने कहा, ''हम इस विनिवेश में भाग ले रहे हैं। एसबीआई का 0.65 प्रतिशत और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स का 0.35 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने का प्रस्ताव है। दोनों के पास हिस्सेदारी है, इसलिए एसबीआई समूह के स्तर पर यह करीब एक प्रतिशत होगी। हालांकि, अन्य शेयरधारकों के शामिल होने पर यह हिस्सेदारी कम भी हो सकती है।''

पूंजीकरण में एयरटेल और रिलायंस को भारी नुकसान

नई दिल्ली। स्थानीय शेयर बाजार में पिछले सप्ताह जारी गिरावट के बीच सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,13,000 करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 276.32 अंक यानी 0.35 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 76.35 अंक यानी 0.31 प्रतिशत नीचे आया। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 40,500.85 करोड़ रुपये घटकर 11,74,462.30 करोड़ रुपये रह गया।

सरकार के कदमों के बावजूद भी देशभर में चीनी की कीमतें ऊंची

नई दिल्ली ।सरकार की ओर से कीमतों में बढ़ोतरी रोकने के लिए उठाए गए कई कदमों के बावजूद रविवार को देश के अधिकांश खुदरा बाजारों में चीनी की कीमत 60 रुपये प्रति किलोग्राम से ऊपर बनी रही। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, रविवार को चीनी की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 64.24 रुपये प्रति किलोग्राम रही। यह एक सप्ताह पहले के 63.12 रुपये प्रति किलोग्राम के मुकाबले 1.77 प्रतिशत अधिक है। मौजूदा कीमत एक महीने पहले की तुलना में 30 प्रतिशत और पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 38.63 प्रतिशत अधिक है। चीनी की 30 अगस्त को अधिकतम खुदरा कीमत 74 रुपये और न्यूनतम 40 रुपये प्रति किलोग्राम रही।

शब्द पहेली - 6333

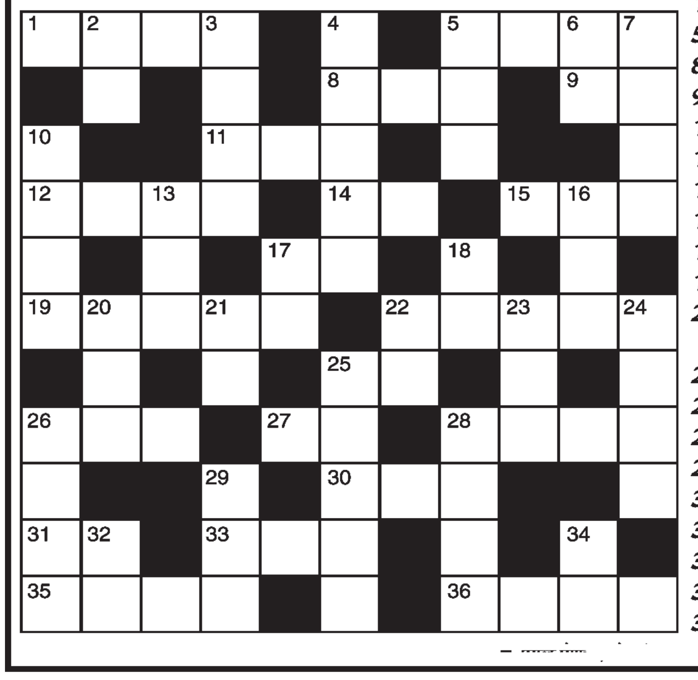

बाएँ से दाए-
1. फिसलना-4
5. गुनाह, जुर्म-4
8. नाव चलानेवाला-3
9. लड़ी, श्रंखला -2
11. ईर्ष्या, डाह-3
12. उद्देश्य, वजह-4
14. भोजन-2
15. थकावट-3
17. जी, चित-2
19. मंत्र पढ़ना-2,3
22. राजपुत्र, राज कुंवर-2,3
25. यात्रा करनेवाला-2
26. समझौता, संधि-3
27. ईसाई साध्वी-2
28. मनमुटाव-4
30. नौकर-3
31. बदला-2
33. गर्भ, कोख-3
35. रुआफ-4
36. सज्जनता-4

ऊपर से नीचे
2. लम्हा, क्षण-2
3. नामित, मनोनीत-4
4. रनिवास, हरम-5
5. बुद्धि-3
6. गोंद, लाख-2
7. हृदयगति, स्पंदन- 4
10. विम्मी व सुनील दत्त की फिल्म-4
13. शिक्षा, पाठ-3
16. कालिख, कालापन-3
17. इंकार, मनाही-2
18. झंडा, पताका-2
20. चौकसी, रखवाली-3
21. मोटा आटा, सूजी -2
22. निशा, रात-2
23. अच्छे कुल का-3
24. प्रस्थान, विदा-4
25. यान चलाने वाला-2,3
26. सुंदरी, षोडशी, कुमारी-4
28. प्रार्थना, मनोकामना-4
29. गरल, विष-3
32. ताला (अंग्रेजी-2)
34. पात्र, थापा, संचक, डाई -2

शब्द पहेली -6332 का हल

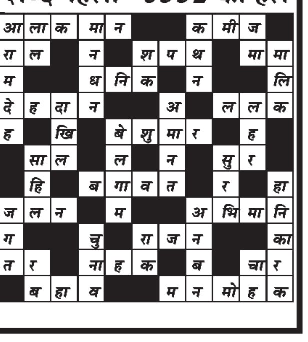

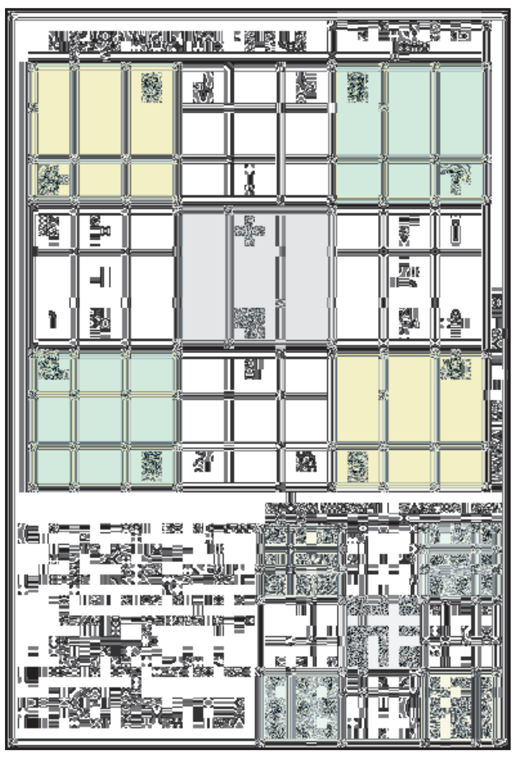

प्रधानमंत्री ने रेडियो पर मन की बात कार्यक्रम में की अपील

युवा नशा मुक्ति थीम पर कंटेंट बनाएं: मोदी

'मिशन शक्तिसैट' से 108 देशों की 12 हजार बेटियों को सैटेलाइट टेक्नोलॉजी व इनोवेशन के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा

हरिभूमि ब्यूरो/भाषा ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देशवासियों से नशे की समस्या के खिलाफ एकजुट होने और युवाओं के लिए मजबूत भविष्य बनाने की अपील की। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्त भारत अभियान को प्रमोट करने की अपील की। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्ति जागरूकता से जुड़ा कंटेंट बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि नशे की लत सिर्फ एक व्यक्ति को अपनी चपेट में नहीं लेती, बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करती है। अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में मोदी ने कहा कि 'विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा' अभियान पूरे देश में जोर पकड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसका लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है 'नशामुक्त युवा, नशामुक्त भारत।' उन्हें इस बात की खुशी है कि यह अभियान महज औपचारिकता बनकर नहीं रह गया है, बल्कि बड़ी संख्या में लोग, खासकर युवा इससे जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'आखिरकार, यह भारत के युवाओं के स्वास्थ्य, खुशहाली और उज्ज्वल भविष्य के लिए हमारा सामूहिक संकल्प है। आइए, भारत के युवाओं को नशे से दूर रखने और उन्हें नशे की लत से मुक्त करने के इस नेक अभियान में हम सभी अपनी भूमिका निभाएं।' नशे की लत केवल किसी एक व्यक्ति को अपनी चपेट में नहीं लेती, बल्कि इसके दुष्परिणाम पूरे परिवार और समाज को भुगतने पड़ते हैं।

बोले-'नशामुक्त भारत अभियान' सरकार की प्रमुख पहलों में से एक

एवाकाडो की मांग बढ़ी

मोदी ने कहा कि कहा कि देश में एवाकाडो की मांग तेजी से बढ़ रही है और किसान इसकी खेती से शानदार कमाई कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश में किसान वरदराज ने 4 टन एवोकाडो का उत्पादन कर बाजार में सप्लाई किया।

इस बार 8 करोड़ तिरंगा सेल्फी अपलोड की

पीएम ने कहा कि इस बार 8 करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी अपलोड की गईं और 'सूर्यपथ तिरंगा' के जरिए फिजी से लेकर दुनिया भर में तिरंगा शान से फहराया गया। फिजी के सुवा में सूर्य की पहली किरणों के साथ तिरंगा फहराया गया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत, ऐसे सपने देखने वाली दुनिया की हजारों बेटियों को एक साथ जोड़ रहा है। इस प्रयास का नाम है मिशन शक्तिसैट। इसके माध्यम से 108 देशों की 12 हजार छात्राओं को सैटेलाइट टेक्नोलॉजी सीखने और इनोवेशन के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। 23 अगस्त को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर इस मिशन की एक सुंदर तस्वीर उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में देखने को मिली। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में मिशन शक्तिसैट के दूसरे चरण की शुरुआत हुई। इस अवसर पर दुनिया के अलग-अलग देशों और भारत से आई करीब 100 छात्राएं एक साथ जुटीं। भारत के दूर-दराज क्षेत्रों से चुनी हुई छात्राएं भी इसमें हिस्सा ले रही हैं। इस पूरे प्रयास का लक्ष्य भी बहुत खास है।

प्रधानमंत्री को गाली देने वाली लड़की बोली

जिंदगी नर्क बन गई, हर जगह टॉर्चर किया जा रहा, चेहरा छिपाती घूम रही

जंतर-मंतर में जेन-जी प्रदर्शन में पीएम मोदी को आपत्तिजनक शब्द बोले थे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जेन-जी प्रदर्शन के दौरान दिल्ली के जंतर-मंतर से पीएम मोदी को गाली देने वाली 15 साल की नाबालिग का एक वीडियो आम आदमी पार्टी ने पोस्ट किया है। 39 सेकेंड्स के वीडियो में उसने कहा है कि मेरी जिंदगी नर्क बन गई है। मुझे हर जगह टॉर्चर किया जा रहा है। मेरे पास जो था, वो सब चला गया मेरा। न मैं कहीं जा सकती हूं। न कहीं रह सकती हूं। ने मेरे पास कोई फ्रीडम है। मुझे हर जगह अपना मुंह छिपा-छिपाकर रहना पड़ रहा है। इसके बाद पीएम के लिए आपत्तिजनक शब्द कहे। 23 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के दौरान वीडियो में नाबालिग पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते नजर आई थीं।

लड़की का वायरल वीडियो 23 जुलाई का है

एफआईआर दर्ज होने के बाद माफी मांगी थी

गाजियाबाद की रहने वाली स्मृति सिंह ने नोएडा के एक्सप्रेसवे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने 30 जुलाई को नाबालिग के खिलाफ केस दर्ज किया था। एफआईआर दर्ज होने के बाद नाबालिग ने माफी मांग ली थी। हाथ जोड़ते हुए कहा था- मैंने जो किया, वह माफी के लायक नहीं था। मैं सिर्फ 15 साल की हूं। यह मेरी पहली और आखिरी गलती है। मैं दोबारा ऐसा नहीं कहूंगी। मुझे अपने किए पर शर्मिंदगी है। मैं किसी से नजर नहीं मिला पा रही हूं। प्लीज, मुझे माफ कर दीजिए।

खबर संक्षेप

तृणमूल सांसद अभिषेक को पुलिस का नोटिस

कोलकाता। पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी को नोटिस भेजा है। यह नोटिस इस हफ्ते की शुरुआत में पार्टी के चिह्न वाले एक होर्डिंग को हटाने को लेकर अधिकारियों और उनके कार्यालय के निजी सुरक्षा कर्मियों के बीच हुई झड़प के मामले में भेजा गया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि शनिवार देर शाम बनर्जी के आवास पर नोटिस सौंपा गया।

मांडविया ने जीवनशैली बदलने की अपील की

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने नई दिल्ली में 'फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल' के 88वें संस्करण का नेतृत्व किया और नागरिकों से साइकिलिंग को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। साइकिलिंग की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए 30 अगस्त को देश भर में 25,000 से ज़्यादा जगहों पर 'संडेज़ ऑन साइकिल' का आयोजन किया गया।

दिल्ली में अलका लांबा के पिता के घर पर चोरी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता अलका लांबा के पिता के पश्चिमी दिल्ली के टैगोर गार्डन स्थित घर में घुसकर तीन नकाबपोश लोगों ने नकदी और आभूषण चुरा लिए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। सोशल मीडिया पर प्रसारित इस घटना की कथित सीसीटीवी फुटेज में नकाबपोश लोगों को घर में घुसते और बाद में मोटरसाइकिल से फरार होते हुए देखा जा सकता है। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना राजौरी गार्डन थाना क्षेत्र के अंतर्गत टैगोर गार्डन के सी-ब्लॉक में हुई।

चिटफंड घोटाले का आरोपी बंगाल में गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने चिट-फंड 'घोटाले' से जुड़े मामले में फरार डीएनबी फूड प्रोसेसिंग के प्रवर्तक देबब्रत दत्ता को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि दत्ता को 28 अगस्त को पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से गिरफ्तार किया गया और उन्हें ओडिशा के भुवनेश्वर शहर की एक अदालत में पेश किया जाएगा। सीबीआई का आरोप है कि दत्ता ने निवेश पर आकर्षक रिटर्न का लालच देकर भोले-भाले निवेशकों से 17 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जुटाई।

मणिपुर:गोलीबारी में एक उग्रवादी की मौत

इंफाल। मणिपुर के नोनी जिले में एक सशस्त्र संगठन के दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में कम से कम एक उग्रवादी की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान 37 वर्षीय जांगैलिंग गोनमेई के रूप में हुई है। पांच घायलों को इंफाल स्थित जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज लाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई है। पुलिस के अनुसार, एक अन्य घायल व्यक्ति का राज्य की राजधानी इंफाल के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

राहुल गांधी के बाद अब प्रियंका ने भी भाजपा पर बोला हमला

खरगे की रैली वाले स्थान पर शुद्धीकरण को लेकर सियासत

बोलीं-पीएम एससी/एसटी कानून के तहत दोषियों पर प्राथमिकी दर्ज कराएं

हल्द्वानी में खरगे के दौरे के बाद आयोजित कथित 'शुद्धीकरण' से शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां बीजेपी मामले में सफाई देने में लगी है, वहीं कांग्रेस घटना को लेकर लगातार केंद्र सरकार पर लगातार हमला बोल रही है।

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को भाजपा पर हमला तेज करते हुए कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वास्तव में संविधान का सम्मान करते हैं तो उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली वाले स्थान पर 'शुद्धीकरण' करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए।

प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस महीने की शुरुआत में किए गए 'शुद्धीकरण' में शामिल लोगों के खिलाफ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) कानून के तहत कार्रवाई की जाए। कांग्रेस महासचिव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हल्द्वानी में एक रैली को संबोधित किया था, जिसके बाद भाजपा-आरएसएस से जुड़े लोगों ने उनके मंच का 'शुद्धीकरण' किया। यह 'शुद्धीकरण' न केवल निंदनीय और शर्मनाक मानसिकता का प्रतीक है, बल्कि हमारे संविधान और एससी/एसटी कानून का गंभीर उल्लंघन और अपराध है। प्रियंका गांधी ने कहा कि घटना को 20 दिन बीत चुके हैं, लेकिन प्रधानमंत्री और उनकी सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने सवाल किया कि इसका कारण क्या है। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी वास्तव में हमारे देश के संविधान का सम्मान करते हैं तो उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उत्तराखंड में यह अपराध करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हो और एससी/एसटी कानून के तहत कार्रवाई की जाए।'' कांग्रेस नेता ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की प्रेस वार्ता का वीडियो भी साझा किया।

युवा कांग्रेस ने संघ मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया, मनुस्मृति के पन्ने जलाए

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के कार्यकर्ताओं ने यहां झंडेवालान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने भाजपा और संघ की विचारधारा को 'भेदभावपूर्ण और जातिवादी' बताया तथा इस दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने मनुस्मृति के पन्ने भी जलाए। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने प्रदर्शन की अगुवाई की।

राहुल राजनीतिक फायदे के लिए खरगे की दलित पहचान का उल्लेख कर रहे हैं: रविशंकर प्रसाद

पटना (भाषा)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और सांसद रविशंकर प्रसाद ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर 'भारत को बदनाम करने के लिए अस्पृश्यता के मुद्दे का इस्तेमाल करने' और राजनीतिक फायदे के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की दलित पहचान' का उल्लेख करने का रविवार को आरोप लगाया। राहुल गांधी ने हल्द्वानी में खरगे के सभा स्थल के 'शुद्धीकरण' को लेकर शनिवार को भाजपा और आरएसएस पर तीखा हमला बोला था और कहा था कि मोदी को इस मामले में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देना चाहिए। रविशंकर ने कहा कि गांधी के पास अब 'मुद्दे खत्म हो गए हैं' और वह 'राजनीतिक फायदे के लिए अपनी पार्टी के अध्यक्ष की दलित पहचान का उल्लेख कर रहे हैं।'

मराठा आरक्षण आंदोलन का दूसरा दिन

जरांगे कुनबी प्रमाणपत्र की मांग पर अड़े, मुंबई मार्च की चेतावनी

भाषा ▶▶| जालना (महाराष्ट्र)

सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जरांगे अपने अनिश्चितकालीन अनशन के दूसरे दिन अपनी इस मांग पर अड़े रहे कि सभी मराठों को कुनबी जाति के प्रमाणपत्र दिए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर महाराष्ट्र सरकार ने उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं की, तो वह मुंबई तक मार्च करेंगे। जरांगे ने शनिवार को जालना जिले के पैतृक गांव अंतरवाली सराटी में मराठा आरक्षण से जुड़ी मांगों को लेकर अपना 11वां अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया।

कमेटी की बैठक 12 सितंबर को अंतरवाली सराटी में होगी

जरांगे ने कहा कि अगर सरकार ने उनकी मांगें नहीं मानीं, तो वह मुंबई तक मार्च करेंगे और आंदोलन को और तेज करेंगे। उन्होंने बताया कि उनके नेतृत्व में मराठा समुदाय की कोर कमेटी की बैठक 12 सितंबर को अंतरवाली सराटी में होगी, जिसमें मुंबई में भूख हड़ताल करने को लेकर फैसला लिया जाएगा। अगर सरकार 12 सितंबर तक हमारी मांगें मान लेती है, तो मुंबई में प्रस्तावित अनशन करने की कोई जरूरत नहीं होगी।

संसदीय समिति ने दिया सुझाव

दिवाला केस को एनसीएलटी की प्रतिबद्ध पीठ स्थापित करें

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में दिवाला मामलों के तेजी से निपटारे के लिए प्रतिबद्ध पीठ की स्थापना का सुझाव दिया है।प्रधान पीठ और नयी दिल्ली पीठ के अलावा उसकी इलाहाबाद, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चंडीगढ़, चेन्नई, कटक, हैदराबाद, इंदौर, कोलकाता, कोच्चि और मुंबई में पीठ हैं। ये सिफारिशें कार्मिक, लोक शिकायत, कानून एवं न्याय संबंधी संसदीय स्थायी समिति द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट का हिस्सा हैं। 'देश में न्यायाधिकरण प्रणाली के कामकाज की समीक्षा' पर यह रिपोर्ट इस महीने की शुरुआत में संसद में पेश की गई थी। समिति ने कहा कि न्यायाधिकरण के लगातार बढ़ते दिवाला क्षेत्राधिकार से उसकी समान रूप से अहम जिम्मेदारियां कमजोर नहीं पड़नी चाहिए। इनमें विलय और अधिग्रहण, हितधारकों के हितों के संरक्षण मामले शामिल हैं।

आतंकी अश्लील एप पर सीक्रेट चैटिंग कर रहे, हैंडलर्स इस पर मैसेज भेजते

एनक्रिप्टेड ऐप्स के जरिए पहचान छिपाने की कोशिश

भाषा ▶▶| श्रीनगर/नई दिल्ली

सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकी समूहों द्वारा ऑनलाइन गेमिंग मंचों के दुरुपयोग का खुलासा करने के बाद आतंकियों और उनके आकाओं की एक नई चाल का पता लगाया है। आतंकी अब गुप्त रूप से संवाद करने के लिए अश्लील सामग्री वाली वेबसाइट और विशेष एनक्रिप्टेड ऐप्लिकेशन का इस्तेमाल कर रहे हैं।

इन गुप्त माध्यमों का इस्तेमाल आतंकी संगठन और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई जम्मू-कश्मीर में अपने भर्ती किए गए लोगों तक निर्देश पहुंचाने के लिए कर रहे हैं। इनका उद्देश्य पारंपरिक सोशल मीडिया मंचों पर सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी से बचना है। अधिकारियों ने बताया कि इन अश्लील सामग्री वाली वेबसाइट पर वास्तविक समय में संवाद की सुविधा होती है। ये मंच उपयोगकर्ताओं को आसपास के लोगों से संपर्क या मुलाकात कराने के नाम पर संचालित होते हैं, जिनका इस्तेमाल आतंकी आका संदेश भेजने और गतिविधियों के समन्वय के लिए कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने कई तरह के विशेष डिजिटल उपकरणों को जांच के दायरे में रखा है। आतंकी आका डेटा को एनक्रिप्टेड नोड के जरिये भेजने और उपयोगकर्ताओं की पहचान छिपाने के लिए टोर आधारित मैसेजिंग ऐप्लिकेशन जैसे कोटेक्स और कोनियन का इस्तेमाल कर रहे हैं।

पुलवामा की जांच में पहली बार खुलासा हुआ था

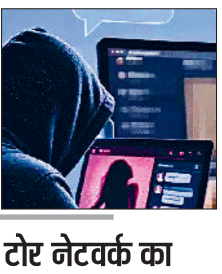

आतंकी टोर नेटवर्क का भी इस्तेमाल कर रहे

सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकी समूहों द्वारा ऑनलाइन गेमिंग मंचों के दुरुपयोग का खुलासा करने के बाद आतंकियों और उनके आकाओं की नई चाल का पता लगाया है। आतंकी अब गुप्त रूप से संवाद करने के लिए अश्लील सामग्री वाली वेबसाइट और विशेष एनक्रिप्टेड ऐप्लिकेशन का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन गुप्त माध्यमों का इस्तेमाल आतंकी संगठन और आईएसआई जम्मू-कश्मीर में अपने भर्ती किए गए लोगों तक निर्देश पहुंचाने के लिए कर रहे हैं।

बिहार की लड़ाई दिल्ली तक आई

यहां 'बेचे जा रहे पद' कांग्रेसाध्यक्ष प्रभारी को तत्काल हटाया जाए

दिल्ली में 8 सितंबर को प्रदर्शन करेंगे बागी नेता

नई दिल्ली। पिछले साल विधानसभा चुनावों में हार के बाद से बिहार कांग्रेस में चल रहा तनाव अब खुलकर सामने आ रहा है। पार्टी के राज्य नेताओं का एक समूह 8 सितंबर को दिल्ली में कांग्रेस दफ्तर के बाहर विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना रहा है। वे कथित भ्रष्टाचार के कारण राज्य कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और एआईसीसी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु को हटाने की मांग कर रहे हैं। नाराज नेताओं में पार्टी प्रवक्ता आनंद माधव, पूर्व विधायक छत्रपति यादव और बिहार युवा कांग्रेस के पूर्व प्रमुख राजकुमार राजन शामिल हैं। ये उन 9 नेताओं में से हैं जिन्हें 18 फरवरी को छह साल के लिए पार्टी से निकाल दिया गया था।

राजेश राम

9 को निष्कासित करना संवैधानिक गलती

आनंद माधव ने कहा कि पार्टी संगठन स्तर पर भ्रष्टाचार का मुद्दा हमने ही उठाया था। पिछले साल 3 नवंबर को पटना के एक होटल में हमारी मुलाकात मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेताओं केसी वेणुगोपाल और अशोक गहलोत से हुई थी। उन्होंने हमें आश्वासन दिया था कि विधानसभा चुनाव के बाद हमें मिलने का समय दिया जाएगा।

बेंगलुरु: भर्ती अनियमितता आईएएस हिरासत में

बेंगलुरु। कर्नाटक लोक सेवा आयोग की पशु चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं के मामले में अपराध जांच विभाग ने आईएएस के अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार को हिरासत में लिया है। गंगवार को जांच अधिकारी की ओर से जारी नोटिस के बाद शुक्रवार और शनिवार को सीआईडी से पूछताछ की गई।

13 साल के कार्यकाल के बाद लिखा भावुक संदेश

मिर्जापुर के लहुरियादह गांव में 75 साल बाद पानी पहुंचाने वाली आईएएस दिव्या मित्तल का इस्तीफा

मूल रूप से रेवाड़ी की रहने वाली हैं दिव्या

देवरिया, मिर्जापुर और संत कबीर नगर की डीएम रह चुकीं

लखनऊ। उप्र कैडर की 2013 बैच की चर्चित आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने अपनी 13 साल की सेवा के बाद आईएएस से इस्तीफा दे दिया है। एक्स पर एक बेहद भावुक पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने अपने इस निर्णय की जानकारी दी। अपने इस्तीफे के संदेश में दिव्या मित्तल ने लिखा कि 13 वर्षों की इस यात्रा में उन्होंने देवरिया से कर्तव्यनिष्ठा और मिर्जापुर से असंभव को संभव बनाना सीखा। उन्होंने मिर्जापुर के दूर-दराज पहाड़ी गांव लहुरियादह का विशेष रूप से उल्लेख किया, जहां आजादी के 75 साल बाद पहली बार नल का पानी पहुंचा था। उन्होंने कहा कि पद तो आज छूट गया, पर उस वृद्ध मां के कांपते हाथों का स्पर्श और देश सेवा का सपना कभी नहीं छूटेगा।

दिव्या मित्तल

लंदन की नौकरी छोड़कर देशसेवा के लिए लौटी थीं

देवरिया, मिर्जापुर और संत कबीर नगर की डीएम रह चुकीं दिव्या मित्तल वर्तमान में राजस्व विभाग में विशेष सचिव के पद पर तैनात थीं। मूल रूप से रेवाड़ी की रहने वाली 42 वर्षीय दिव्या मित्तल ने आईआईटी दिल्ली से बीटेक और आईआईएम बैंगलोर से एमबीए किया है। लंदन में एक आकर्षक नौकरी छोड़कर वह अपने देश का कर्ज चुकाने भारत लौटी थीं। 2012 में उन्होंने आईपीएस में सफलता पाई और 2013 में ऑल इंडिया 68वीं रैंक हासिल कर आईएएस बनीं।

अगले महीने से बदलेंगे कई नियम, ये डालेंगे जेब पर असर

लोग डेडलाइन का इंतजार न करें परेशानी से बचें

ध्यान दें..आईटीआर और एलपीजी के लिए 'व्यवस्था' का आज अंतिम दिन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

1 सितंबर से कई नियम, डेडलाइन और वित्तीय बदलाव लागू होंगे, जिनका सीधा असर आपके पैसे, टैक्स और महीने के बजट पर पड़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि आप इन बदलावों के बारे में पहले से जानकारी रखें। सितंबर शुरू होने से पहले इन सभी बदलावों की जानकारी रखना आपके लिए जरूरी है। अगर किसी नियम के तहत कोई जरूरी काम पूरा करना है, तो उसकी डेडलाइन का इंतजार न करें। समय पर जरूरी प्रोसेस पूरा करने से एक्स्ट्रा चार्ज से बचा जा सकता है।

प्रोफेशनल इनकम वाले दाखिल करें रिपोर्ट

इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की 31 अगस्त की डेडलाइन काफी अहम है। यह नई रिटर्न फाइलिंग व्यवस्था का हिस्सा है, जिसे बदलावों के बाद लागू किया गया है। नई व्यवस्था के तहत ऐसे कारोबारी और प्रोफेशनल टैक्सपेयर्स, जिनके खातों का ऑडिट जरूरी नहीं है, उन्हें 31 अगस्त तक आईटीआर दाखिल करना है। वहीं, दूसरी तय कैटेगरी में नहीं आने वाले अन्य टैक्सपेयर्स के लिए आईटीआर दाखिल करने की डेडलाइन 31 जुलाई थी।

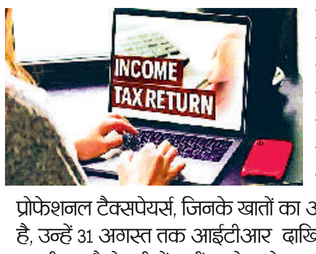

एलपीजी ई- केवाई की डेडलाइन खत्म

एलपीजी ग्राहकों के लिए भी 31 अगस्त 2026 की डेडलाइन महत्वपूर्ण है। जिन उपभोक्ताओं ने अभी तक आधार आधारित बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन यानी ई- केवाईसी पूरा नहीं किया है, उन्हें यह काम 31 अगस्त तक करना होगा।

विदेश जाने वालों को बोर्डिंग पास पर स्टैंप नहीं लगवाना पड़ेगा

1 सितंबर से भारत से विदेश जाने वाले यात्रियों को इमिग्रेशन काउंटर पर बोर्डिंग पास पर स्टैम्प नहीं लगवाना पड़ेगा। अब यात्री मोबाइल में इलेक्ट्रॉनिक बोर्डिंग पास या उसकी प्रिंटेड कॉपी दिखाकर इमिग्रेशन प्रोसेस पूरा कर सकेंगे। ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन ने यह बदलाव प्रोसेस को आसान और तेज बनाने के लिए किया है।

बॉर्डर पर तस्करी की कोशिश नाकाम

बांग्लादेश सीमा पर 25 करोड़ का सोना जब्त, महिला अरेस्ट

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल के नदिया में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर एक बार फिर सोने की तस्करी की बड़ी कोशिश नाकाम कर दी है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, बीएसएफ की 32वीं बटालियन के जवानों ने बनपुर बॉर्डर इलाके में ऑपरेशन चलाया और एक महिला को हिरासत में लिया।

बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय तक नजर रखने के बाद, संदिग्ध गतिविधि दिखने पर महिला को हिरासत में लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 15 किलो 607 ग्राम सोना बरामद हुआ। बीएसएफ का दावा है कि जब्त किए गए सोने की बाजार कीमत 24 करोड़ 95 लाख 56 हजार है। तस्करी की घटना के बारे में महिला से पूछताछ की जा रही है। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल है, सोना कहां से लाया गया था और इसे कहां तस्करी करके ले जाया जाना था।

चिंतन

दुनिया में बढ़ता भारत का रुतबा

उज्बेकिस्तान की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च राज्य सम्मान 'ओली दाराजली दोस्लिक' से सम्मानित किया जाना केवल एक व्यक्ति को मिला सम्मान नहीं है, बल्कि यह बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता और उसके साथ मजबूत होते कूटनीतिक रिश्तों का संकेत है। मोदी को मिला यह 36वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। यह दिखाता है कि दुनिया में भारत का रुतबा लगातार बढ़ता जा रहा है। ताशकंद में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के बीच हुई बातचीत का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि इसमें औपचारिक कूटनीति से आगे बढ़कर यूरेनियम, परमाणु ऊर्जा, रक्षा, व्यापार और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे ठोस मुद्दों पर चर्चा हुई। भारत को अपनी बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्वसनीय और दीर्घकालिक साझेदारों की आवश्यकता है। ऐसे में मध्य एशिया के देशों के साथ ऊर्जा सहयोग भारत की रणनीतिक जरूरत बन चुका है। इसी तरह रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष सहयोग, हथियारों के संयुक्त उत्पादन और नई तकनीक विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ना भारत की बदलती रक्षा नीति को दर्शाता है। भारत अब केवल हथियार खरीदने वाला देश नहीं रहना चाहता। वह तकनीक, उत्पादन और अनुसंधान में साझेदारी बढ़ाकर अपनी सामरिक क्षमता मजबूत करना चाहता है। उज्बेकिस्तान के साथ रक्षा सहयोग इस दिशा में उपयोगी साबित हो सकता है। सबसे बड़ी चुनौती हालांकि व्यापार की है। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को पांच अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, जबकि वर्तमान व्यापार एक अरब डॉलर से कुछ अधिक है। लक्ष्य महत्वाकांक्षी है, लेकिन इसे हासिल करने के लिए केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं होंगी। भारत को मध्य एशिया तक अपनी व्यापारिक पहुंच आसान करनी होगी। परिवहन, बैंकिंग, भुगतान व्यवस्था, निवेश और बाजार तक पहुंच से जुड़ी अड़चनों को दूर करना होगा। व्यापार बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी होगी। भारत-उज्बेकिस्तान संबंधों का एक और महत्वपूर्ण पहलू आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के खिलाफ साझा चिंता है। मध्य एशिया की भौगोलिक स्थिति उसे अफगानिस्तान और व्यापक क्षेत्र में पैदा होने वाली अस्थिरता से सीधे जोड़ती है। भारत भी आतंकवाद को अपनी सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा मानता है। इसलिए दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग केवल द्विपक्षीय विषय नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता से जुड़ा मामला है। मध्य एशिया का क्षेत्र ऊर्जा संसाधनों से समृद्ध होने के साथ यूरोप और एशिया के बीच महत्वपूर्ण भौगोलिक कड़ी भी है। ऐसे समय में जब दुनिया बड़े शक्ति केंद्रों के बीच नए समीकरण बनते देख रही है, भारत के लिए जरूरी है कि वह अपने पड़ोस से आगे बढ़कर मध्य एशिया में भी आर्थिक और रणनीतिक उपस्थिति मजबूत करे। प्रधानमंत्री मोदी को मिला सम्मान इस बढ़ते प्रभाव का प्रतीक जरूर है, लेकिन सम्मान तभी सार्थक होगा जब उससे व्यापार बढ़े, ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हो, रक्षा सहयोग जमीन पर उतरे और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़े। उज्बेकिस्तान के साथ बढ़ता सहयोग इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दुनिया में भारत का रुतबा बढ़ रहा है, लेकिन इस रुतबे को स्थायी शक्ति में बदलने के लिए कूटनीतिक उपलब्धियों को आर्थिक ताकत, तकनीकी क्षमता और रणनीतिक आत्मनिर्भरता में बदलना होगा। यही नए भारत की असली वैश्विक पहचान होगी।

आर्थिकी
सतीश सिंह

भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय मजबूती और अनिश्चितता के दो समानांतर धरातलों पर आगे बढ़ रही है। घरेलू उपभोग, सेवा क्षेत्र, औद्योगिक उत्पादन, सरकारी पूंजीगत व्यय और बैंक ऋण में तेजी विकास को सहारा दे रही है। ऊंची थोक महंगाई, वैश्विक युद्ध, कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संरक्षणवादी व्यापार नीतियां और बाधित वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाएं विकास के लिए जोखिम पैदा कर रही हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक रियल जीडीपी वृद्धि 7.3 प्रतिशत रही। देश की सफलता केवल विश्व की सबसे तेज बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बने रहने में नहीं, बल्कि इस वृद्धि को रोजगारपरक, महंगाई-नियंत्रित, समावेशी बनाने में निहित है।

दो समानांतर धरातलों पर अर्थव्यवस्था

भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय मजबूती और अनिश्चितता के दो समानांतर धरातलों पर आगे बढ़ रही है। घरेलू उपभोग, सेवा क्षेत्र, औद्योगिक उत्पादन, सरकारी पूंजीगत व्यय और बैंक ऋण में तेजी विकास को सहारा दे रही है। दूसरी ओर, ऊंची थोक महंगाई, वैश्विक युद्ध, कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संरक्षणवादी व्यापार नीतियां और बाधित वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाएं विकास के लिए जोखिम पैदा कर रही हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (रियल जीडीपी) वृद्धि 7.3 प्रतिशत और चौथी तिमाही की वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने अगस्त 2026 में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6.7 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान व्यक्त किया है। इसका अर्थ है कि अर्थव्यवस्था की रफ्तार मजबूत बनी हुई है, लेकिन पिछले वर्ष के मुकाबले कुछ नरमी आ सकती है। यह संभावित नरमी कमजोरी से अधिक वैश्विक अनिश्चितता, महंगाई और लागत संबंधी दबाव का परिणाम है। जुलाई 2026 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा महंगाई 4.45 प्रतिशत रही। यह रिज़र्व बैंक के 6 प्रतिशत के ऊपरी सहनशीलता स्तर से नीचे है, लेकिन 4 प्रतिशत के लक्ष्य से अधिक है। खाद्य पदार्थों, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि सीधे परिवारों की क्रयशक्ति को प्रभावित करती है। गरीब और निम्न-मध्यम वर्ग अपनी आय का बड़ा हिस्सा भोजन और आवश्यक वस्तुओं पर खर्च करता है; इसलिए खाद्य महंगाई उसके लिए औसत आंकड़े से अधिक कष्टकारी होती है। इसके विपरीत, जुलाई में थोक महंगाई 9.78 प्रतिशत रही, जो जून के 9.87 प्रतिशत से मामूली कम है। नई आधार-वर्ष श्रृंखला के अंतर्गत ईंधन एवं बिजली की महंगाई 20.05 प्रतिशत और विनिर्मित उत्पादों की महंगाई 8.29 प्रतिशत रही। विश्लेषण से पता चलता है कि औद्योगिक कच्चे माल, धातु, रसायन, वस्त्र, प्लास्टिक और विद्युत उपकरणों पर लागत का दबाव बना हुआ है। खुदरा और थोक महंगाई का यह अंतर चेतावनी देता है। उत्पादक बढ़ी हुई लागत को कुछ समय तक अपने लाभांश में समाहित कर सकते हैं, लेकिन लगातार ऊंची थोक महंगाई अंततः उपभोक्ताओं के जेब तक पहुंच सकती है। इससे रिज़र्व बैंक के लिए ब्याज दरों में नरमी की गुंजाइश सीमित हो सकती है। अगस्त की मौद्रिक नीति में रिज़र्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा महंगाई का अनुमान 5 प्रतिशत रखा है। औद्योगिक क्षेत्र से उत्साहजनक संकेत मिल रहे हैं। जून 2026 में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 7.3 प्रतिशत बढ़ा। विनिर्माण उत्पादन में 7.8 प्रतिशत और बिजली एवं गैस उत्पादन में 10.6 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई, जबकि खनन की वृद्धि 1 प्रतिशत रही। इससे स्पष्ट है कि औद्योगिक सुधार व्यापक है, लेकिन सभी क्षेत्रों में समान नहीं है। कमजोर खनन उत्पादन भविष्य में कुछ उद्योगों की इनपुट उपलब्धता को प्रभावित कर सकता है। सेवा क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रमुख इंजन बना हुआ है। डिजिटल सेवाएं, वित्त, संचार, पर्यटन, विमानन, परिवहन, खुदरा व्यापार और पेशेवर सेवाएं आर्थिक गतिविधियों को गति दे रही हैं। मई 2026 के प्रायोगिक सेवा उत्पादन सूचकांक में 27.4 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई, हालांकि नई एवं परीक्षणाधीन श्रृंखला और

आधार प्रभाव के कारण इस आंकड़े की व्याख्या सावधानी से की जानी चाहिए। सेवा क्षेत्र की मजबूती रोजगार और निर्यात के लिए अनुकूल है, परंतु उच्च कौशल वाली सेवाओं और अपेक्षाकृत कम उत्पादकता वाले अनौपचारिक रोजगार के बीच बड़ा अंतर बना हुआ है। आर्थिक गतिविधियों की मजबूती बैंक ऋण में भी दिखाई देती है। 15 जुलाई 2026 तक बैंक ऋण की सालाना वृद्धि 17.7 प्रतिशत रही, जबकि एक वर्ष पहले यह 9.9 प्रतिशत थी। सेवा और खुदरा क्षेत्रों में ऋण प्रवाह मजबूत है। एमएसएमई ऋण में निरंतर वृद्धि तथा बड़े उद्योगों के ऋण में सुधार निजी निवेश के धीरे-धीरे पुनर्जीवित होने का संकेत देता है। कृषि ऋण भी स्थिर गति से बढ़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति ने वैश्विक व्यापार को अधिक संरक्षणवादी बना दिया है। अप्रैल 2025 में व्यापक जवाबी शुल्क नीति लागू करने के बाद अमेरिका ने भारत पर भी ऊंचे शुल्क लगाए थे। फरवरी 2026 के भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के ढाँचे के अंतर्गत भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क हटाया गया तथा पारस्परिक शुल्क 25 से घटाकर 18 प्रतिशत किया गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने जुलाई 2026 में वैश्विक वृद्धि 2026 के लिए 3 प्रतिशत और 2027 के लिए 3.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। भारत की वृद्धि का अनुमान 6.4 प्रतिशत है, जिससे वह प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज बढ़ने वाले देशों में बना हुआ है। अमेरिका और यूरो क्षेत्र की वृद्धि भारत से काफी नीचे है। कुछ आसियान अर्थव्यवस्थाएं प्रौद्योगिकी और डेटा-सेंटर निवेश से लाभ उठा रही हैं, परंतु उनकी रफ्तार भी भारत से कम रहने का अनुमान है। भारत का लाभ विशाल घरेलू बाजार और युवा आबादी है, जबकि कमजोरी प्रति व्यक्ति आय, उत्पादकता, महिला श्रम भागीदारी और गुणवत्तापूर्ण रोजगार के मोर्चे पर है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव और अमेरिका-ईरान टकराव ऊर्जा, उर्वरक, खाद्यान्न और समुद्री व्यापार के लिए जोखिम हैं। आईएमएफ का भी मानना है कि युद्ध के कारण वैश्विक महंगाई में कमी नहीं आ रही है।भारत को विकास की गति बनाए रखने के लिए महंगाई नियंत्रण और वृद्धि समर्थन के बीच संतुलन बनाना होगा। खाद्य महंगाई का टिकाऊ समाधान केवल ब्याज दर बढ़ाना नहीं, बल्कि सिंचाई, भंडारण, कोल्ड-चेन, परिवहन, बाजार सूचना और कृषि आपूर्ति सुधारना है। पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता घटाने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा, जैव ईंधन, सार्वजनिक परिवहन और ऊर्जा दक्षता को तेज करना होगा। 'चीन-प्लस-वन' रणनीति का लाभ लेने के लिए लॉजिस्टिक्स लागत घटाने, बिजली आपूर्ति सुधारने, भूमि एवं श्रम नियम सरल करने तथा अनुबंध प्रवर्तन मजबूत करने की जरूरत है। मुक्त व्यापार समझौतों के साथ घरेलू एमएसएमई को तकनीक, गुणवत्ता प्रमाणन और सस्ता वित्त उपलब्ध कराया जाना चाहिए। बैंक ऋण को उपभोग से अधिक उत्पादन और रोजगारोन्मुख निवेश की ओर मोड़ना होगा। सामाजिक सुरक्षा, कौशल विकास और महिला रोजगार में सुधार घरेलू मांग को अधिक समावेशी और स्थायी बना सकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति आशावादी अवश्य है, लेकिन जोखिममुक्त नहीं। तेज विकास, औद्योगिक उत्पादन, मजबूत सेवा गतिविधि और बढ़ता बैंक ऋण इसकी आंतरिक शक्ति हैं, ऊंची थोक महंगाई, संरक्षणवादी व्यापार नीतियां, युद्ध और अस्थिर आपूर्ति-श्रृंखलाएं इसकी बड़ी चुनौतियां हैं। भारत की सफलता केवल विश्व की सबसे तेज बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बने रहने में नहीं, बल्कि इस वृद्धि को रोजगारपरक, महंगाई-नियंत्रित, क्षेत्रीय रूप से संतुलित और सामाजिक रूप से समावेशी बनाने में निहित है।

(लेखक आर्थिक स्तंभकार पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

पर्यावरण
ज्ञानेन्द्र रावत

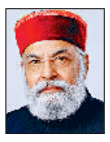

खतरनाक संकेत है वन क्षेत्र में आ रही कमी

देश-दुनिया में यह मान्यता है कि वनों का होना हमारे स्वच्छ पर्यावरण, जीवन, स्वास्थ्य और मानवता का आधार है। पारिस्थितिकीय तंत्र में भी वनों की अहम भूमिका है। यही वह अहम वजह है जिसके कारण देश-दुनिया में आजकल वन क्षेत्र बढ़ाने की होड़ लगी हुई है। इसके पीछे संयुक्त राष्ट्र की 27 अप्रैल 2017 को जारी वनीकरण सम्बंधी वह योजना है। उसके तहत उसने वैश्विक स्तर पर 26 लक्ष्य निर्धारित किए थे, जिसके तहत समूची दुनिया में साल 2030 तक तीन फीसदी जंगल का दायरा बढ़ाना था। इस योजना के तहत जंगल बढ़ाने का दायरा फ्रांस के कुल क्षेत्रफल के दोगुणे से भी अधिक था। बीते नौ सालों में उस लक्ष्य के केवल सात फीसदी की ही पूर्ति कर पाने में कामयाबी मिली है। खेदजनक यह है कि उनमें से दो लक्ष्य तो पूरी तरह अस्तित्व में आए ही नहीं। दुनिया के 48 देशों में जहां कुल वनों का 51 फीसदी हिस्सा वनाच्छादित है, वहां बीते 10 सालों में वन क्षेत्र में तकरीबन चार करोड़ हैक्टेयर से भी ज्यादा की कमी आई है। सबसे अधिक केवल एक साल यानी अकेले 2025 के दौरान ही दुनिया ने करीब 43 लाख हैक्टेयर यानी 1.06 करोड़ एकड़ वन खो दिये। यह लगभग 42,933 वर्ग किलोमीटर वाले डेनमार्क जैसे देश के बराबर है। अगर हम फुटबाल मैदानों की बात करें तो डेनमार्क में लगभग 60 लाख फुटबाल मैदान समा सकते हैं। इसका अर्थ यह कि धरती ने एक साल में 43,000 वर्ग किलोमीटर हरियाली खो दी। मैरीलैंड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अध्ययन से यह खुलासा हुआ है कि दुनिया में हर मिनट 11 फुटबाल मैदानों जितने बड़े वन खत्म हो रहे हैं। यह नुकसान एक दशक पहले की तुलना में 46 फीसदी से भी ज्यादा है। चिंतनीय यह कि अब वनीकरण का निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचने में केवल चार साल का ही समय बचा है। ऐसी हालत में यह सवाल बहस का मुद्दा बन गया है कि आखिर वह कौन से कारण रहे जिसके चलते वन संरक्षण की दिशा में दुनिया क्यों पिछड़ती जा रही है? यह भी गौरतलब है कि 2030 तक सतत विकास लक्ष्य हासिल करने के लिए वनावरण के दायरे को बढ़ाने और उपलब्ध वनों को सहेजने की दिशा में दुनियाभर में प्रगति संतोषजनक नहीं है। दरअसल 2021 के जलवायु शिखर सम्मेलन में 100 से भी अधिक देशों ने वादा किया था कि 2030 तक वे वनों की कटाई पूरी तरह रोक देंगे, लेकिन मौजूदा रफ्तार को देखते हुए दुनिया इस लक्ष्य से 70 फीसदी पीछे चल रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 1.6 अरब लोगों के लिए जंगल, भोजन,पानी,ईंधन और रोजगार के स्रोत हैं। हालांकि बढ़ते शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, भूमि उपयोग में बदलाव, दावानल,वनोन्मूलन और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के कारण वनों का अस्तित्व खतरे में है। वनों के विनाश में केवल वनों की आग की ही अहम भूमिका नहीं है, इंसानी जरूरतें भी वन विनाश का बड़ा कारण है। जबकि वन न केवल सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए जरूरी हैं बल्कि वे जैवविविधता के संरक्षण, खाद्य व आजीविका की सुरक्षा,गरीबी उन्मूलन, आक्सीजन की निरंतरता,मृदा संरक्षण, कार्बन अवशोषण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भी जरूरी हैं। भारत में दावा बराबर वन क्षेत्र में बढ़ोतरी का किया जा रहा है लेकिन हकीकत में वन क्षेत्र में मामूली बढ़ोतरी के बावजूद देश में जगह-जगह जारी विकास परियोजनाओं,खनन, प्राकृतिक दवाबों के कारण पुराने बड़े वनों के घनत्व में काफी कमी और मैंग्रोव वनों में गिरावट दर्ज की गयी है। हमारा कुल वन क्षेत्र 7,15,342.61 वर्ग किलोमीटर यानी 21.76 फीसदी है जबकि वृक्ष आवरण 1,12,014.34 वर्ग किलोमीटर यानी कुल 3.41 फीसदी है। कुल वन क्षेत्र के मामले में हमारे देश का दुनिया में 99वें वां नम्बर है। इसके पीछे सड़क निर्माण, वह भी बड़े-बड़े हाई-वे निर्माण, बांध निर्माण, खदानें और शहरीकरण जैसे विकस कार्यों की अहम भूमिका के चलते पुराने वनों का घनत्व लगातार गिरता जा रहा है। हकीकत यह है कि हर साल तकरीबन 22 लाख से ज्यादा पेड़ों की बलि विकास यज्ञ में दी जा रही है। दरअसल आंकड़ों के जाल के तहत भारत में आधिकारिक आंकड़े कुल वन आच्छादन में भले स्थिरता दर्शाते हैं, किंतु प्राकृतिक वनों की गुणवत्ता और जैव विविधता का स्तर कम होने की प्रवृत्ति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उसमें आये-दिन कमी आ रही है।वास्तविक चुनौती प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्रों की संरचना, उनकी जैविक विविधता और उनकी पुनरुत्पादक क्षमता को सुरक्षित रखने की है। जबतक ऐसा नहीं होगा, यह संकट गहराता ही चला जाएगा।

(लेखक पर्यावरणविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

निंदा का परित्याग

संकलित
दर्शन

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में निर्वहन के लिए व्यक्ति के सामाजिक गुणों का अत्यंत महत्व है। गुणी व्यक्ति को प्रत्येक जगह सम्मान की प्राप्ति होती है। संसार के प्रत्येक प्राणी में कुछ गुण तो कुछ अवगुण पाए जाते हैं, परंतु कुछ लोग हैं जो दूसरे के अवगुणों को ही देखते हैं। वे किसी भी सकारात्मक पक्ष में नकारात्मकता देखने के अभ्यस्त हो जाते हैं। प्रायः ऐसे लोगों में निंदा की प्रवृत्ति पाई जाती है। वे ऐसा करके खुद को समाज में श्रेष्ठ एवं दूसरे को नीचा साबित करना चाहते हैं। निंदा एक नशे की भांति है, जो एक बार इसका आदी हो गया, वह दिन-प्रतिदिन इसके पाश में जकड़ता चला जाता है। मनीषियों ने निंदा को दुर्व्यसन के समान माना है, जो निंदा करने वाले व्यक्ति को अंदर ही अंदर नैतिक रूप से समाप्त करती रहती है। एक बार एक आचार्य अपने शिष्यों को शिक्षा प्रदान कर रहे थे। शिक्षा प्राप्ति के दौरान एक शिष्य अन्य शिष्यों की ओर संकेत करते हुए आचार्य से कहने लगा कि 'वे अपना कार्य सही से नहीं कर रहे हैं। मुझे लगता है इन लोगों को कार्य करना ही नहीं आता।' आचार्य बोले, 'तुमको छोड़ अन्य सारे शिष्य सही से कार्य कर रहे हैं।' इस पर शिष्य असहज हो गया। उसने आचार्य से पूछा, 'वह कैसे?' आचार्य बोले, 'क्योंकि वे लोग अपने कार्य में संलग्न हैं, किंतु तुम अपने कार्य पर ध्यान न देकर, दूसरों के कार्य की निंदा करने में अपने समय की बर्बादी कर रहे हो।'

मुनि के शाप से इंद्र से छिन गया था स्वर्ग

संकलित
प्रेरणा

एक दिन दुर्वासा मुनि विष्णु जी के पास पहुंचे। उस समय विष्णु जी ने दुर्वासा मुनि को अपनी दिव्य माला उपहार में दी। विष्णु जी से मिलकर दुर्वासा मुनि लौट रहे थे। तभी उन्हें रास्ते में देवराज इंद्र दिखाई दिए। इंद्र अपने ऐरावत हाथी पर सवार थे और दुर्वासा मुनि पैदल थे। इन दोनों ने एक-दूसरे को देख लिया। उस समय दुर्वासा जी ने सोचा कि विष्णु जी ने जो माला दी है, वह मेरे किसी काम की नहीं है। ये माला इंद्र को दे देता हूं। इंद्र स्वर्ग के राजा हैं तो उनके गले में ये माला शोभा देगी। ऐसा सोचकर दुर्वासा मुनि ने विष्णु जी की माला इंद्र को उपहार में दे दी। देवराज इंद्र ने दुर्वासा जी से वह माला ले ली। उस समय देवराज इंद्र का अहंकार जाग गया। वह अपने ऐरावत हाथी पर बैठे हुए थे, स्वर्ग के राज-पाठ का घमंड था। इसी घमंड की वजह से इंद्र ने सोचा कि ये सामान्य सी माला मेरे काम नहीं आएगी। ये सोचकर इंद्र ने वह माला अपने ऐरावत हाथी के ऊपर डाल दी। ऐरावत ने अपनी सूंड से वह माला पकड़ी और पैरों से कुचल दी। ये सब दुर्वासा मुनि ने देख लिया, अपने उपहार का ऐसा अपमान देखकर वे क्रोधित हो गए। गुस्से में उन्होंने इंद्र से कहा कि आज तूने अपने राज-पाठ और पद के घमंड में मेरे उपहार का अनादर किया है, मैं तूझे शाप देता हूं, तेरा सारा वैभव चला जाएगा और तू स्वर्गहीन हो जाएगा। इसके बाद असुरों ने देवताओं पर आक्रमण कर दिया और देवता पराजित हो गए। इंद्र को स्वर्ग से जाना पड़ा था।

अंतर्मन

आज की पाती

प्याज की बढ़ती कीमत महंगाई का एक और झटका

अगर देश में कोई भी खाने की चीज, वो भी गरीब से गरीब के लिए भी रोजमर्रा में प्रयोग होने वाली हो, महंगी हो जाए तो सरकारों को उसकी कीमत कम करने के उपाय प्राथमिक आधार पर करने चाहिए। विकास के वादे और दावे तब तक खोखले माने जा सकते हैं, जब तक देश में पैदा होने वाली चीजें महंगी हों। अब तो सरकारों को प्याज की बढ़ती कीमतों के लिए कुंभकर्णी नींद से जाग जाना चाहिए, क्योंकि अब देश के कुछ राज्यों में इसकी कीमत 50 रुपए प्रति किलो से ऊपर हो चुकी है। वैसे प्याज की कीमतें इससे पहले भी बढ़ती थी और इस पर खूब राजनीति भी होती आई है। प्याज पर ही नहीं, बल्कि हर तरह की महंगाई को मुद्दा बनाकर चुनाव लड़े जाते हैं। लेकिन महंगाई के समाधान के लिए किसी भी राजनीतिक पार्टी की सरकार ने आज तक गंभीरता नहीं दिखाई।

– नेहा शर्मा, बहादुरगढ़

ट्रेंड

मिशन शक्तिसैट

मिशन शक्तिसैट 108 देशों की छात्राओं को एक साथ ला रहा है और उन्हें सैटेलाइट टेक्नोलॉजी के बारे में सीखने के साथ-साथ विज्ञान, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के नए क्षेत्रों को जानने का मौका भी दे रहा है।
-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

शुद्धिकरण

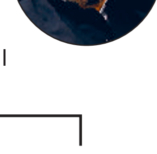

हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ जो कुछ भी हुआ, वह "शुद्धिकरण" के नाम पर उनके प्रति छुआछूत का मामला है और भारतीय संविधान के तहत छुआछूत एक दंडनीय अपराध है। तब से बीस दिन बीत चुके हैं - लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

प्रोटॉन बीम थेरेपी

असम में कैंसर के इलाज का एक नया दौर शुरू हो रहा है। गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज में प्रोटॉन बीम थेरेपी के लिए 600 करोड़ की मंजूरी मिलने के साथ, असम सरकारी अस्पतालों में यह अत्याधुनिक इलाज सुविधा देने वाला पहला राज्य बन जाएगा।
- हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

मोदी का सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च राजकीय सम्मान 'ओली दराजली दोस्तलिक' से सम्मानित होने पर हार्दिक शुभकामनाएं। यह सम्मान दोनों देशों के बीच अटूट मित्रता, आपसी विश्वास और सांस्कृतिक साझेदारी का प्रतीक है।
- डॉ. मोहन यादव, सीएम, मध्यप्रदेश

करंट अफेयर

अमेरिका ने कई अफगानियों को मध्य अफ्रीकी गणराज्य भेजा

अमेरिका ने शनिवार को कई लोगों को मध्य अफ्रीकी गणराज्य निर्वासित किया, जिनमें एक अफगान नागरिक भी शामिल है, जिसके भाइयों ने अमेरिकी सेना के साथ मिलकर काम किया था। यह जानकारी उसके वकील और एक मानवाधिकार संगठन ने दी। इस अफगान नागरिक की उम्र 20 वर्ष के आसपास है। उसके वकील अल्मा डेविड ने बताया कि एक अमेरिकी न्यायाधीश ने तालिबान द्वारा उत्पीड़न की आशंका के कारण उसे अफगानिस्तान निर्वासित किए जाने से सुरक्षा प्रदान की थी। 'द एसोसिएटेड प्रेस' को प्राप्त हुए अदालती दस्तावेजों के अनुसार, अफगानिस्तान में उसके परिवार को तालिबान की ओर से धमकियां मिली थीं, क्योंकि उसके भाइयों ने अमेरिकी सेना के समर्थन में काम किया था। डेविड ने बताया कि इस अफगान नागरिक का एक भाई अमेरिका में रहता है और उसने अफगान राष्ट्रीय सेना में सेवा की थी। तालिबान के 2021 में सत्ता पर कब्जा करने से पहले अफगान राष्ट्रीय सेना अमेरिकी सेना के साथ मिलकर काम करती थी। उन्होंने बताया कि उसका एक अन्य भाई अमेरिका में प्रशिक्षित पायलट था, जिसकी तालिबान ने हत्या कर दी थी।

ऑफ बीट

क्या वजन से स्वास्थ्य का आकलन हो सकता है

हमें पढ़ाया गया है कि दुबलेपन का सेहत से और अधिक वजन का बीमारी से संबंध होता है। लेकिन विज्ञान एक ज़्यादा बारीक कहानी कहता है—जहां वजन एक कहीं ज़्यादा जटिल तस्वीर में सिर्फ एक आंकड़ा भर है। तो अगर अकेले वजन ही यह नहीं दर्शाता कि हम कितने स्वस्थ हैं, तो और क्या दर्शाता है? शरीर का वजन स्वास्थ्य के सबसे ज्यादा मापे जाने वाले पैमानों में से एक है। समाज इस पर बहुत जोर देता है और किसी व्यक्ति के वजन की आलोचना को अक्सर स्वास्थ्य संबंधी चिंता के रूप में देखा जाता है। तो वजन असल में कितनी सार्थक स्वास्थ्य जानकारी प्रदान करता है? सीधे शब्दों में कहें तो, व्यक्ति का वजन शरीर द्वारा ग्रहण की जा रही कैलोरी पर निर्भर करता है। समय के साथ वजन में बदलाव कैलोरी की खपत की ओर इशारा कर सकता है। अगर उनका वजन बढ़ रहा है, तो इसका मतलब यह है कि वे जितनी कैलोरी जला रहे हैं, उससे ज़्यादा सेवन कर रहे हैं। वहीं, अगर उनका वजन घट रहा है, तो इसका मतलब यह है कि वे जितनी कैलोरी ले रहे हैं, उससे ज़्यादा जला रहे हैं। शायद यह समझना ज़्यादा उपयोगी होगा कि वजन हमें स्वास्थ्य संबंधी कौन-सी जानकारी नहीं देता।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

मेजर लीग सॉकर : मेस्सी ने दागे चार गोल

एजेंसी ⏭ मियामी

दिग्गज लियोनेल मेस्सी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में पहली बार एक मैच में चार गोल दागे, जिससे इंटर मियामी ने सीएफ मॉन्ट्रियल को 7-1 से करारी शिकस्त दी। मेस्सी ने इस दौरान दूसरे हाफ में तीन गोल किए और एक गोल में मदद की। इंटर मियामी ने 20वें मिनट में तेलास्को सेगोविया के कॉर्नर पर कार्लोस कासेमिरो के हेडर की मदद से बढ़त बनाई लेकिन मॉन्ट्रियल ने 37वें मिनट में फैबियन हर्बर्स के गोल से स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद मेस्सी ने अपना कमाल दिखाना शुरू किया। उन्होंने 40वें मिनट में फ्री-किक पर गोल करके इंटर मियामी को 2-1 से आगे कर दिया। यह मौजूदा सत्र में उनका 15वां गोल था।

प्रीमियर लीग: लिवरपूल-नॉटिंघम फॉरेस्ट ने खेला ड्रा

एजेंसी ⏭ लंदन

टॉटेनहम हॉटस्पर का करीब 400 मिलियन डॉलर खर्च करने के बावजूद इंग्लिश प्रीमियर लीग में खराब प्रदर्शन जारी है, जहां टीम को घरेलू मैदान पर न्यूकैसल के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। टॉटेनहम की यह लगातार दूसरी हार है और इन दोनों मैचों में टीम एक भी गोल नहीं कर सकी है। न्यूकैसल ने दूसरे हाफ में दोनों गोल दागकर मुकाबला अपने नाम किया। एंथनी एलांगा ने 62वें मिनट में मैच का पहला गोल किए। इसके 10 मिनट बाद योआने विसा ने न्यूकैसल की बढ़त 2-0 कर दी। टॉटेनहम के कई नए खिलाड़ी मैदान पर उतरे, लेकिन वे टीम को गोल दिलाने में नाकाम रहे। लिवरपूल ने आखिरी समय में गोल के बूते एनफील्ड में नॉटिंघम फॉरेस्ट को 2-2 से बराबरी पर रोका।

ला लीगा: एटलेटिको मैड्रिड ने सेविला को हराया

एजेंसी ⏭ मिलान

एटलेटिको मैड्रिड ने मैदान के बाहर चल रहे विवादों को पीछे छोड़ते हुए ला लीगा (स्पेन की शीर्ष फुटबॉल लीग) में सेविला को 3-1 से हराया। जूलियन अल्वारेज को टीम में शामिल नहीं किया गया, लेकिन एलेक्स बाएना के दो और एडेमोला लुकमैन के एक गोल की मदद से एटलेटिको ने पहले हाफ में ही 3-0 की बढ़त बना ली। यह सेविला की सत्र की पहली हार है। जर्मनी में पहली बार बुंडेसलीगा खेल रहे एलवर्सबर्ग ने शानदार शुरुआत करते हुए 2024 के चैंपियन बायर लीवरकुसेन को 3-2 से हरा दिया। लुकास पेटकोव और अमेरिका के फॉरवर्ड कोल कैंपबेल ने नौ मिनट के अंदर गोल कर मेजबान टीम को बढ़त दिलाई।

खबर संक्षेप

सिपुत्रा गोल्फप्रेन्योर टूर्नामेंट : संयुक्त 19वें स्थान पर गिल

जकार्ता। भारतीय गोल्फर पुखराज सिंह गिल ने 'एशियन डेवलपमेंट टूर (एडीटी)' के 'सिपुत्रा गोल्फप्रेन्योर टूर्नामेंट' में संयुक्त 19वें स्थान पर रहते हुए 2027 के एशियाई टूर कार्ड हासिल करने की अपनी उम्मीद मजबूत कर ली है। आईजीपीएल (इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग) टूर के ऑर्डर ऑफ मेरिट विजेता गिल अब एडीटी 'ऑर्डर ऑफ मेरिट (सत्र की समग्र तालिका)' में नौवें स्थान पर हैं। सत्र में अब केवल एक टूर्नामेंट बाकी है और शीर्ष 10 खिलाड़ियों को अगले साल के एशियाई टूर के कार्ड मिलेंगे। गिल ने चौथे दौर में 69 का कार्ड खेला किया और कुल 15 अंडर पार के स्कोर के साथ टूर्नामेंट खत्म किया। उन्होंने इससे पहले तीन दौर में 70, 66 और 68 का स्कोर किया था।

आयरिश ओपन : 15वें स्थान पर खिसकी प्रणवी

किल्डारे। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स आयरिश ओपन के तीसरे दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेलने के बावजूद संयुक्त 15वें स्थान पर खिसक गईं। मैसूर की इस खिलाड़ी ने अब तक तीनों दौर में पार से कम का स्कोर बनाया है। उनका कुल स्कोर सात अंडर है और एक दौर का खेल बाकी है। प्रणवी इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली चार भारतीय खिलाड़ियों में कट में जगह बनाने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने दूसरे और तीसरे होल में लगातार बर्डी के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन अगले दो होल में दोनों शॉट गंवा दिए। इसके बाद उन्होंने सातवें और 10वें होल में बर्डी लगाई और आखिरी आठ होल में लगातार पार स्कोर करते हुए अपना दौर 70 पर समाप्त किया। इससे पहले दीक्षा डागर, त्वेसा मलिक और अवनि प्रशांत कट में जगह बनाने में नाकाम रही थीं।

एशिया कप : भारत ने थाईलैंड को 94 रन से हराया, दीप्ति-नंदनी ने 3-3 विकेट झटके

रोहतक की शेफाली के अर्धशतक के बाद चमकीं दीप्ति और नंदनी शर्मा

- दीप्ति विमेंस टी-20 इंटरनेशनल की टॉप विकेटकर बनीं

हरिभूमि न्यूज/भाषा ⏭ रोहतक/दुबई

भारत ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (64 रन) के आक्रामक अर्धशतक के बाद बाएं हाथ की अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा (सात गेंद में बिना रन दिए तीन विकेट) और मध्यम गति की गेंदबाज नंदनी शर्मा (18 रन देकर तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन से रविवार को यहां महिला टी-20 एशिया कप ग्रुप ए मैच में थाईलैंड को 94 रन से हराकर अपने अभियान का आगाज किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में युवा आक्रामक ओपनर शफाली वर्मा ने बल्ले से तबाही मचाते हुए महज 36 गेंदों में 64 रनों की धमाकेदार अर्धशतकीय पारी खेली, जिसके बदौलत टीम इंडिया ने एक मजबूत स्कोर खड़ा किया और बाद में थाईलैंड की पूरी टीम को दबाव में ला दिया।

64 रन | 36 गेंद | 8 चौके | 3 छक्के

शेफाली वर्मा की विस्फोटक पारी

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के लिए शफाली वर्मा ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने थाईलैंड की गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए मैदान के चारों ओर शॉट लगाए। शफाली ने अपनी 64 रनों की तूफानी पारी में 3 शानदार छक्के और 8 चौके जड़े। उनकी इस ताबड़तोड़ बल्लेबाजी का ही नतीजा था कि भारत ने पावरप्ले के शुरुआती ओवरों में ही तेजी से रन जोड़े और महज 10 ओवरों में टीम का स्कोर 101 रन तक पहुंचा दिया था। शफाली ने अपनी इस पारी के दौरान डेब्यूटेंट प्रतिका रावल (22 रन) के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए उपयोगी साझेदारी भी की। भारतीय गेंदबाजों के सामने थाईलैंड की टीम 16.1 ओवर में महज 65 रन पर सिमट गई।

भारत-159/9 (20)

खिलाड़ी	रन
स्मृति मंधाना रन आउट	19
शेफाली वर्मा का एवं बो लाओमी	64
प्रतिका रावल बो लाओमी	22
हरमनप्रीत का माया बो पुथावोंग	05
भारती का सुवानचोनरथी बो चातुरोंग्रातना	13
ऋचा घोष का पुथावोंग बो लाओमी	00
दीप्ति शर्मा रन आउट	05
प्रेमा का स्ट कोंचारोएनकई बो चातुरोंग्रातना	06
नंदनीशर्मा बो सुथिरूआंग	01
श्री चरणी नाबाद	06
क्रांति गौड़ नाबाद	15

अतिरिक्त : 03
कुल : 20 ओवर में नौ विकेट पर 159 रन
विकेट पतन : 1-38, 2-91, 3-108, 4-112, 5-112, 6-127, 7-136, 8-137, 9-137
गेंदबाजी : फानिता माया 3-0-31-0, थिपाट्चा पुथावोंग 4-0-37-1, सुनिदा 3-0-31-2, ओनिचा कामचोम्फू 3-0-19-0, सुलीपोर्ण 4-0-26-3, चानिडा 3-0-14-1

थाईलैंड-65/10 (16.1)

खिलाड़ी	रन
नाथाकन चंथाम बो गौड़	04
फानिता माया का प्रतिका बो नंदनी	06
नानाफत का घोष बो दीप्ति	41
अफिसारा पगबाधा बो श्री चरणी	01
चानिडा का मंधाना बो श्री चरणी	05
नाओमी पगबाधा बो दीप्ति	01
नानाफत का नंदनी बो दीप्ति	00
सुलीपोर्ण का शेफाली बो नंदनी	06
सुनीदा का घोष बो नंदनी	00
ओनिचा कामचोम्फू रन आउट	00
थिपाट्चा पुथावोंग नाबाद	00

अतिरिक्त : 01
कुल : 16.1 ओवर में 65 रन पर सभी आउट
विकेट पतन : 1-4 2-16, 3-35, 4-43, 5-44, 6-44, 7-60, 8-60, 9-60
गेंदबाजी : क्रांति गौड़ 4-0-26-1, नंदनी शर्मा 4-0-18-3, श्री चरणी 3-0-10-2, प्रेमा रावत 4-1-11-0, दीप्ति शर्मा 1.1-1-0-3

हॉकी: स्पेन को हराकर जर्मनी ने चौथी बार विश्व कप जीता

एजेंसी ⏭ वॉवर (बेल्जियम)

- फाइनल में स्पेन को 1-0 से हराया
- पाक के सबसे ज्यादा 4 खिताब के रिकॉर्ड की बराबरी

पिछली चैम्पियन जर्मनी ने बेहतरीन डिफेंस का प्रदर्शन करते हुए स्पेन को माइकल स्टरटफ के गोल के दम पर 1-0 से हराते हुए चौथी बार एफआईएच पुरूष हॉकी विश्व कप जीतकर पाकिस्तान के चार खिताब के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इसके साथ ही जर्मनी अब पाकिस्तान के साथ पुरूष हॉकी विश्व कप के इतिहास की सबसे सफल टीम बन गई। जर्मनी इससे पहले 2002 में कुआलालम्पुर में, 2006 में अपनी मेजबानी में मोंशेंग्लाबाख और 2023 में भुवनेश्वर में खिताब जीत चुकी है। पाकिस्तान ने 1971, 1978, 1982 और 1994 में विश्व कप जीता था। वहीं स्पेन 1998 के बाद पहली बार और अब तक तीसरी बार फाइनल में पहुंचा लेकिन खिताब जीतने का उसका सपना फिर अधूरा रह गया। इस साल फुटबॉल विश्व कप जीतने वाली जर्मनी हॉकी में खिताब के करीब पहुंचकर चूक गई। इसी साल बने बेलफियस हॉकी एरेना में करीब आठ हजार दर्शकों के सामने दोनों टीमों ने बेहतरीन डिफेंस का प्रदर्शन करते हुए एक दूसरे के प्रयासों को लगातार विफल किया। मैच का पहला गोल 44वें मिनट में जर्मनी के माइकल स्टरटफ ने रन आफ प्ले में किया।

एसबीएआई-सॉफ्टबॉल न्यूजीलैंड के बीच हुआ ऐतिहासिक करार

भारत-न्यूजीलैंड नई खेल कूटनीति, दिल्ली में एमओयमू साइन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में सॉफ्टबॉल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसबीएआई) और सॉफ्टबॉल न्यू जीलैंड (एचएनजेड) के बीच खेल कूटनीति को नया आयाम देने वाला ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) साइन किया गया है। होटल द ललित में हुए इस समझौते का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच सॉफ्टबॉल का समग्र विकास और संवर्धन करना है। यह ऐतिहासिक साझेदारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के उस दूरदर्शी विजन का प्रत्यक्ष परिणाम है, जिसके तहत दोनों देशों ने क्रिकेट से आगे बढ़कर कोचिंग, स्पोर्ट्स साइंस, टेक्नोलॉजी, हाई-परफॉर्मेंस ट्रेनिंग और यूथ स्पोर्ट्स में आपसी सहयोग बढ़ाने का व्यापक कार्ययोजना तैयार किया था। इस एमओयू पर सॉफ्टबॉल न्यू जीलैंड के बोर्ड मेंबर श्री जय चांगलाणी और एसबीएआई के महासचिव डॉ. प्रवीण अनोकर ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर एसबीएआई के संयुक्त सचिव वसीम राजा खान, शिबानी ठाकुर और विजय गौर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

लॉर्ड्स टेस्ट: 208 रनों पर सिमटी इंग्लैंड की दूसरी पारी

एजेंसी ⏭ लंदन

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच दूसरा टेस्ट मैच लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जा रहा है। मुकाबले के चौथे दिन इंग्लैंड की पूरी टीम दूसरी पारी में 208 रन बनाकर ऑलआउट हुई। इंग्लैंड ने पाकिस्तान के सामने जीत के लिए 389 रनों का लक्ष्य रखा है।

इंग्लैंड के लिए चौथे दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 177/7 के स्कोर में सिर्फ 9 रन जोड़ने के बाद डेन लॉरेंस को मोहम्मद अब्बास ने क्लीन बोल्ड करते हुए पवेलियन भेजा। लॉरेंस ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 70 गेंदों में 7 चौके और 2 छक्कों की मदद से 54 रन बनाए।

पाक के सामने 389 रनों का लक्ष्य

रॉबिन्सन नहीं दिखा सके खास कमाल

ओली रॉबिन्सन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज 8 रन बनाकर आउट हुए। जोश टंग इंग्लैंड की ओर से दूसरी पारी में आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे। वह 12 रन बनाकर रनआउट हुए। इंग्लैंड की तरफ से लॉरेंस की अर्धशतकीय पारी के अलावा, हैरी बूक ने 34 रनों का योगदान दिया है, जबकि एमिलियो ने 31 रनों का योगदान दिया। जो रूट ने 24 रन बनाए।

'हॉल ऑफ फेम' में शामिल फेडरर, भाषण के दौरान हुए भावुक

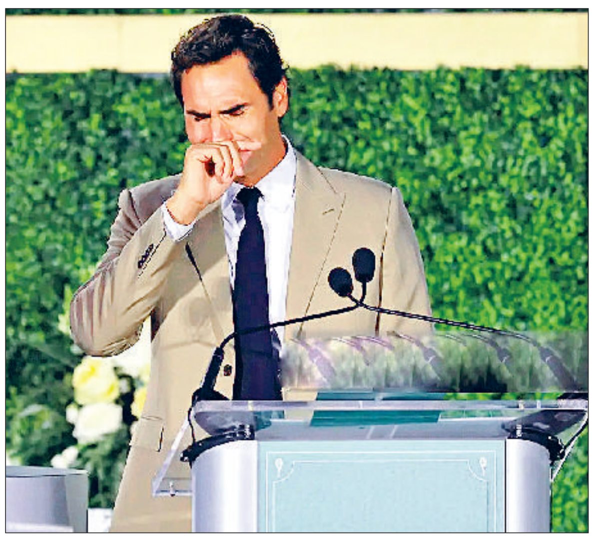

एजेंसी ⏭ न्यूपोर्ट

महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर इंटरनेशनल टेनिस 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल किए जाने के दौरान भावुक हो गए। बीस ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले फेडरर अपने करीब 30 मिनट के भाषण के दौरान कई बार रो पड़े।

पत्नी मिर्का का जिक्र करते हुए तो उनके आंसू थमने का नाम ही नहीं ले रहे थे। मिर्का के स्वागत-परिचय भाषण के बाद फेडरर को मंच पर बुलाया गया। उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि उन्हें इस समय रूमाल और धूप के चश्मे की जरूरत है, लेकिन आंसुओं को रोकना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। पैंतालिस वर्षीय फेडरर ने मंच पर आते ही कहा, 'यह बहुत ऊंचे स्तर का है और इसके बाद बोलना आसान नहीं होगा।' इसके बाद उन्होंने मजाकिया अंदाज में पत्नी मिर्का से कहा, 'पता नहीं, आपने चुपके से इसकी तैयारी तो नहीं की थी?'

खेल की समृद्ध विरासत का हिस्सा

फेडरर ने कहा, 'टेनिस के इतिहास में खुद को इस स्थान पर देखना मेरे लिए बेहद खास है। इस खेल की समृद्ध विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।'

लगातार 237 सप्ताह तक रहे नंबर एक खिलाड़ी

फेडरर ने इस दौरान अपने बचपन के आदर्श स्टीफन एडबर्ग और लंबे समय तक उनके कोच रहे सेवेरिन लुथी को याद किया। 'स्विस मैस्ट्रो' के नाम से मशहूर फेडरर ने अपने शानदार करियर में आठ विंबलडन, छह ऑस्ट्रेलियन ओपन और एक फ्रेंच ओपन खिताब जीता। वह लगातार 237 सप्ताह तक एटीपी रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी रहे। वह करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले केवल आठ पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 2004 से 2008 तक लगातार पांच यूएस ओपन खिताब जीते और 10 लगातार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे, जिनमें से आठ में उन्होंने जीत हासिल की। फेडरर 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल होने वाले 272वें सदस्य बने।

यूएस ओपन : नाओने के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेंगे जोकोविच

रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम पर 39 वर्षीय जोकोविच की नजर

एजेंसी ⏭ न्यूयॉर्क

नोवाक जोकोविच को किसी टूर्नामेंट में जल्दी बाहर होना भले ही पसंद नहीं हो, लेकिन इस बार वह सिनसिनाटी ओपन में शुरुआती हार को सकारात्मक रूप में देख रहे हैं।

इस 39 वर्षीय दिग्गज ने कहा कि सिनसिनाटी में पहले ही दौर में बाहर होने से उन्हें यूएस ओपन की तैयारी के लिए करीब दो सप्ताह का अतिरिक्त समय मिला। चौबीस ग्रैंड स्लैम खिताब के रिकॉर्डधारी जोकोविच आर्थर ऐश स्टेडियम में 48वीं रैंकिंग वाले मारियानो नाओने के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। चौथी वरीयता प्राप्त जोकोविच की नजर रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम और पांचवें यूएस ओपन खिताब पर है।

इस साल 16 टूर्नामेंटों लिया हिस्सा

जोकोविच ने इस साल अब तक केवल 16 टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया है, जो एटीपी रैंकिंग में शीर्ष 95 खिलाड़ियों में सबसे कम है। वह विंबलडन के सेमीफाइनल तक पहुंचे, जहां उन्हें यानिक सिनर से हार मिली। फ्रेंच ओपन में वह चौथे दौर में बाहर हुए, जबकि ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में उन्हें कार्लोस अल्काराज के हाथों हार का सामना करना पड़ा। सिनसिनाटी ओपन में हार से पहले उन्होंने विंबलडन के बाद कोई मुकाबला नहीं खेला था।

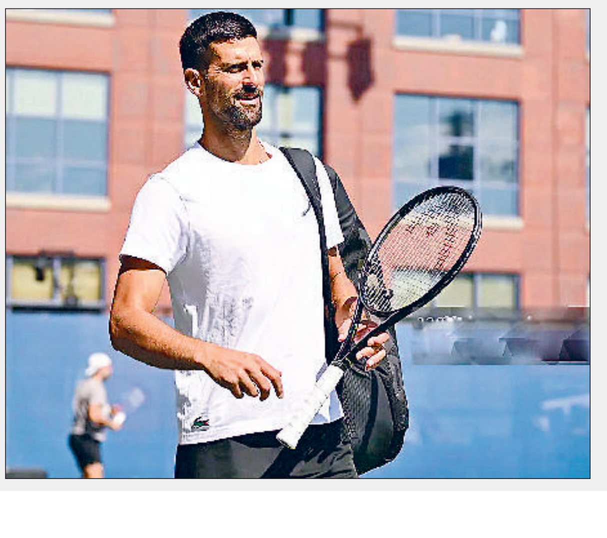

मेरे लिए शुरुआती मुकाबले चुनौती-पूर्ण : नोवाक

जोकोविच ने हालांकि नाओने को हल्के में लेने से इनकार किया। जोकोविच ने कहा, 'देखते हैं मुकाबला कैसा रहता है। पिछले कुछ वर्षों में मेरे लिए शुरुआती मुकाबले काफी चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उम्मीद है कि मैं पहली बाधा पार कर आगे लय हासिल कर सकूंगा।'

20वीं बार यूएस ओपन में ले रहे हिस्सा

जोकोविच 20वीं बार यूएस ओपन में हिस्सा ले रहे हैं। वह इसके साथ ही पुरुष एकल में इस उपलब्धि को हासिल करने वाले जिमी कॉनर्स, आंद्रे अगासी और फेलिसियानो लोपेज की सूची में शामिल हो जाएंगे। जोकोविच ने कहा कि लंबे समय तक खेलना उनके करियर के शुरुआती दौर से ही लक्ष्य रहा है। 2005 में पदार्पण के बाद वह सिर्फ 2017 में यूएस ओपन में नहीं खेल पाए थे, जब कोहनी की चोट के कारण उन्हें नाम वापस लेना पड़ा था। उन्होंने 2011, 2015, 2018 और 2023 में यह खिताब जीता।

नेपाल बाढ़ के बाद लापता परिजनों को खोज रहे लोग

उम्मीद के अलावा कुछ नहीं बचा

एजेंसी ▶▶| काठमांडू

काठमांडू में त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल के बाहर अपने लापता रिश्तेदारों को ढूंढ रही एक महिला ने वहां जमा हुए पत्रकारों से, पूछा, ''क्या आपके कैमरे हमारे लोगों को वापस ला पाएंगे?'' नेपाली टाइम्स' समाचार वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक, महिला के रिश्तेदारों ने उसे सांत्वना देने की कोशिश की। दिल कुमारी मसरांगी मगर नामक महिला अस्पताल के गेट पर अपने लापता जीजा और भांजे की तस्वीरें लगा रही थी। उनके साथ ही वहां मृतकों की तस्वीरें और अब भी लापता लोगों के नामों की लंबी सूची भी लगी थी। उसने पत्रकारों से इस उम्मीद में अपनी कहानी साझा करने को कहा कि शायद किसी ने, कहीं न कहीं, उनके रिश्तेदारों को देखा हो। महिला ने 'नेपाली टाइम्स' से कहा, ''उम्मीद करने के अलावा अब कुछ नहीं बचा है। भले ही सिर्फ़ उनके शव ही मिलें, कम से कम हमें पता तो चल जाएगा।''

गत 26 अगस्त को उत्तरी और मध्य नेपाल में आई अचानक बाढ़ के चार दिन बाद, अस्पताल अब सिर्फ़ घायलों के इलाज की जगह नहीं रह गए हैं; बल्कि यहां परिवार अपने लापता लोगों को ढूंढ रहे हैं और फॉरेंसिक टीमें दूर से बहकर आए शवों की पहचान करने में जुटी हैं। नेपाल बाढ़ में रविवार तक मरने वालों की संख्या 700 के पार पहुंच गई, जबकि करीब 2,500 लोग अब भी लापता हैं। त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल में, लापता रिश्तेदारों को ढूंढ रहे परिवार तस्वीरें और दूसरी जानकारी लेकर पहुंचे हैं। कुछ रिश्तेदारों के लिए, यह खोज कई अस्पतालों तक फैल गई है।

सुरंग में छोटा छेद करके हवा और खाना भेजता हुआ बचाव दल

इंफोसिस पब्लिक सर्विसेज के सीईओ लक्स गोपीसेट्टी लापता

नई दिल्ली। नेपाल में आई आफत के बाद इंफोसिस की सहायक कंपनी इंफोसिस पब्लिक सर्विसेज के सीईओ लक्स गोपीसेट्टी लापता हैं। इंफोसिस ने जानकारी दी है कि वह नेपाल दौरे पर गए थे और बाढ़ आने के बाद से ही लापता हैं। कंपनी ने आगे कहा कि उनकी तत्काल प्राथमिकता उन्हें ढूंढना, उनसे संपर्क करना और उनकी सुरक्षा तय करना है। कंपनी ने कहा कि नेपाल दौरे पर जाने के बाद से ही उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है।

भारत से राहत सामग्री लेकर चौथा विमान पहुंचा नेपाल

नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने बताया कि भारत से राहत सामग्री से भरी चौथी उड़ान, जिसमें कंबल, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, प्लास्टिक शीट और स्वच्छता किट सहित 11 टन सामग्री थी, काठमांडू पहुंच गई है। इस उड़ान में सुरंग खोज और बचाव अभियान के लिए अतिरिक्त तकनीकी दल और उपकरण भी लाए गए हैं। इसमें खोज और बचाव कार्यों के लिए उपकरणों से लैस टनल टेक्निकल टीम और डीएनए जांच के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम भी शामिल है।

3 दिन बाद मलबे से जिंदा निकली 6 साल की बच्ची

नेपाल के रसुवा जिले के टिमुरे इलाके में मिट्टी के नीचे दबी एक 6 साल की बच्ची को तीन दिन बाद जिंदा बाहर निकाल लिया गया है। सशस्त्र पुलिस बल ने शुक्रवार शाम इस बच्ची को सुरक्षित बचाया और शनिवार को उसे इलाज के लिए काठमांडू लाया गया है। इस पूरी घटना ने वहां मौजूद लोगों और बचाव दल के जवानों को हैरान कर दिया, क्योंकि तीन दिन बाद भी बच्ची का जीवित मिलना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा रहा।

खबर संक्षेप

रेव पार्टी में गोलीबारी में एक की मौत, 5 घायल

बर्न। स्विट्जरलैंड के आरौ शहर में रविवार तड़के एक रेव पार्टी के दौरान हुई अंधाधुंध गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह हिंसक घटना करीब 3,500 लोगों की मौजूदगी वाली एक सालाना टेक्नो पार्टी के दौरान हुई।

नॉर्थ साइप्रस के पास बोट पलटी, 7 लोगों की मौत

निकोसिया। नॉर्थ साइप्रस के पास रविवार को करीब 270 लोगों को ले जा रही एक पैसेंजर बोट अचानक पलट गई, जिसके बाद मौके पर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। घटना में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई है। किरेनिया शहर के मेयर मूरत सेन्कुल ने कहा कि जहाज पर सवार 258 यात्रियों में से 159 से संपर्क किया जा चुका है।

उप्र में झोलाछाप डाक्टर के इंजेक्शन से युवक की मौत

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में बुखार के इलाज के दौरान एक झोलाछाप चिकित्सक द्वारा कथित रूप से इंजेक्शन लगाए जाने के बाद 32 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना जसर्थपुर थाना क्षेत्र की है, जहां मृतक रत्नेश कई दिनों से बुखार से पीड़ित था। रत्नेश के परिवार ने उसके इलाज के लिए मेडिकल स्टोर चलाने वाले व्यक्ति को घर बुलाया था, जो लोगों को इलाज भी उपलब्ध कराता था।

'एक पेड़ मां के नाम'
पीएम मोदी और राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने भारत की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल और उज्बेकिस्तान की 'यशील माकोन' ग्रीन पहल के तहत, राष्ट्रपति भवन के बगीचे में संयुक्त रूप से एक पेड़ लगाया

ताशकंद में दोस्ती का नया अध्याय

भारत-उज्बेकिस्तान के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी का ऐलान

यूरेनियम की आपूर्ति पर सहमति 5 अरब डॉलर व्यापार का 'लक्ष्य'

- भारत और उज्बेकिस्तान ने क्षेत्र में आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर बने रहने का साझा संकल्प दोहराया

एजेंसी ▶▶| ताशकंद

भारत और उज्बेकिस्तान ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को एक नए युग में ले जाते हुए इन्हें 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर पर बढ़ाने का बड़ा फैसला किया है। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के साथ कुकसारॉय राष्ट्रपति भवन में हुई प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता और संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका ऐलान किया। दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी के 15 वर्ष पूरे होने के अवसर पर वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को 5 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। यूरेनियम आपूर्ति और उच्च तकनीक क्षेत्रों में सहयोग प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि भारत और उज्बेकिस्तान के बीच यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए एक स्थायी व्यवस्था स्थापित की जाएगी। इसके अतिरिक्त दोनों देश डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्रिटिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिज), स्वच्छ ऊर्जा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे भविष्यवादी क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे।

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस सुरक्षा सहयोग को गहरा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच प्रत्यक्ष संपर्क, सह-उत्पादन और सह-विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अलावा, भारत और उज्बेकिस्तान ने क्षेत्र में आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर बने रहने का साझा संकल्प दोहराया।

'एक पेड़ मां के नाम'

पीएम मोदी और राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने भारत की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल और उज़्बेकिस्तान की 'यशील माकोन' ग्रीन पहल के तहत, राष्ट्रपति भवन के बगीचे में संयुक्त रूप से एक पेड़ लगाया गया। यह कदम एक हरित और अधिक टिकाऊ भविष्य को संवारने के प्रति भारत और उज़्बेकिस्तान की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इन क्षेत्रों में मिलकर करेंगे काम

1. डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर
2. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)
3. क्रिटिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिज)
4. स्वच्छ ऊर्जा
5. अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा
6. रक्षा उद्योगों में सह-उत्पादन

सिस्टर-सिटी समझौते और गिफ्ट सिटी मॉडल

राष्ट्रीय राजधानियों से परे राज्यों और शहरों के जुड़ाव को बढ़ाने के लिए तीन सिस्टर-सिटी और सिस्टर-स्टेट समझौतों को अंतिम रूप दिया गया। उज्बेकिस्तान की न्यू ताशकंद परियोजना के संदर्भ में पीएम मोदी ने गुजरात की गिफ्ट सिटी के मॉडल को साझा करने की पेशकश की और उज्बेकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को भारत आने का निमंत्रण दिया।

प्रधानमंत्री मोदी किर्गिस्तान पहुंचे

बिश्केक। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को किर्गिस्तान पहुंचे, जहां वह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। किर्गिस्तान की मंत्रिपरिषद के अध्यक्ष कासिमालिएव आदिलबेक अलेशोविच ने हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। इस मौके पर कलाकारों ने पारंपरिक किर्गिज नृत्य की प्रस्तुति भी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर कहा, "मोदी 26वें एससीओ लीडरशिप समिट में हिस्सा लेने के लिए बिश्केक पहुंच गए हैं। किर्गिज गणराज्य के मंत्रिपरिषद के अध्यक्ष आदिलबेक कासिमालिएव ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे

18600 फीट पर सेना का साहस

हेलीकॉप्टर ने एक स्किड टिकाकर मरीज को बचाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय सेना के एविएशन पायलटों ने शनिवार को बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में 18,600 फीट की ऊंचाई पर सफल मेडिकल रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दिया। नुन-कुन पर्वत श्रृंखला के पास तेज हवाओं और खड़ी पहाड़ी ढलान के बीच एक घायल व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह अभियान उस समय किया गया, जब ऊंचाई वाले इलाके में दिन की आखिरी रोशनी तेजी से खत्म हो रही थी। ऐसे में पायलटों के पास ऑपरेशन पूरा करने के लिए बेहद कम समय था।

कैसे हुआ रेस्क्यू?

मरीज तक पहुंचने के बाद पायलटों के सामने सबसे बड़ी चुनौती हेलिकॉप्टर को उतारने के लिए जगह न होना थी। घटनास्थल पर तेज पहाड़ी हवाएं चल रही थीं और ढलान काफी खड़ी थी। ऐसे हालात में हेलिकॉप्टर का सिर्फ एक स्किड ढलान से टिकाया गया। इसी स्थिति में मरीज को तेजी से हेलिकॉप्टर के अंदर सुरक्षित किया गया। मरीज को सुरक्षित लेने के बाद हेलिकॉप्टर ने वहां से उड़ान भरी और सफलतापूर्वक नीचे पहुंचा। भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभियान की जानकारी साझा की।

हेलिकॉप्टर उड़ाना था चुनौतीपूर्ण

इतनी अधिक ऊंचाई पर हवा का घनत्व काफी कम हो जाता है। इससे हेलिकॉप्टर के इंजन के प्रदर्शन और रोटर से मिलने वाली लिफ्ट पर असर पड़ता है। चुनौती को देखते हुए विमान से गैर-जरूरी सामान हटाकर उसका वजन कम किया गया। हेलिकॉप्टर में केवल जरूरी ईंधन रखा गया, ताकि वजन कम रहने से ऊंचाई पर उड़ान और रेस्क्यू की क्षमता बेहतर बनी रहे। इसके बावजूद मरीज को सुरक्षित निकालने के लिए पर्याप्त दूरी तय करने लायक ईंधन रखा गया।

आतंकी साजिश मामले में एनआईए कोर्ट का बड़ा फैसला

आईएसआईएस से जुड़े सैयद फासिउर को 7 साल की सश्रम कैद, 48 हजार का जुर्माना भी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईएसआईएस से जुड़ी आतंकी साजिश के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने सैयद फासिउर रहमान उर्फ सैयद फसीह उर रहमान को सात साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 48 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। एनआईए के अनुसार, मामले में साजिश का उद्देश्य लक्षित हत्याओं को अंजाम देकर सांप्रदायिक दंगे भड़काना और प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस के एजेंडे को आगे बढ़ाना था।

पाशा पर साजिश रचने का आरोप

जांच के मुताबिक, इस मामले में मुख्य आरोपी मेहबूब पाशा ने बंगलूरू के गुरप्पनपाल्या स्थित अपने घर पर कई बैठकें की थीं। इन्हीं बैठकों में कथित तौर पर लक्षित हत्याओं की योजना बनाई गई थी। इस साजिश का मकसद सांप्रदायिक तनाव भड़काने के साथ आईएसआईएस के लिए एक विलायत यानी प्रांत स्थापित करना था।

साजिश की बैठकों में शामिल था सैयद फासिउर

एनआईए के मुताबिक, दोषी सैयद फासिउर रहमान ने इन बैठकों में हिस्सा लिया था। उस पर अल-हिंद समूह के सदस्यों के जंगल कैंप प्रशिक्षण के लिए डेकाथलॉन स्टोर से टेंट और चाकू खरीदने का भी आरोप था। अदालत ने इन आरोपों के आधार पर उसे दोषी ठहराते हुए सात साल की सश्रम कैद की सजा सुनाई। यह मामला कर्नाटक पुलिस ने 10 जनवरी 2020 को बेंगलुरु में दर्ज किया था। इसके बाद एनआईए ने 23 जनवरी 2020 को जांच अपने हाथ में लेकर मामले को फिर से दर्ज किया। एनआईए अब तक इस मामले में 20 आरोपियों के खिलाफ तीन आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है।

जीसीएसई परीक्षा के तीन प्रश्नपत्रों में 240 में से 196 अंक

सात साल की उम्र में गणित में किया गजब का प्रदर्शन

- माता-पिता जो मूल रूप से आंध्र प्रदेश के रहने वाले

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय मूल के सात साल के एक लड़के ने ब्रिटेन में ज़्यादातर स्कूली बच्चों की तुलना में लगभग दस साल पहले ही गणित की परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है और अगले स्तर की परीक्षा की तैयारी कर रहा है। जिव्यान रेड्डी ध्रुव ने 'जनरल सर्टिफ़िकेट ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन' (जीसीएसई) परीक्षा के तीन प्रश्नपत्रों में 240 में से 196 अंक हासिल किए और उच्च स्तर की 'ग्रेड 8' (जो ए श्रेणी के बराबर है) प्राप्त की। यह परीक्षा आम तौर पर 16 साल के छात्र देते हैं।

उसने मई में 'पियर्सन एडएक्सल जीसीएसई हायर मैथमेटिक्स' परीक्षा दी थी और पिछले हफ़्ते इसका परिणाम आया। जिव्यान ने बताया, ''अपना परिणाम देखकर मैं बहुत उत्साहित था। मेरे माता-पिता बहुत खुश थे और उन्होंने मुझे गले लगाया।''

उसने कहा, ''मैं 'ग्रेड 9' चाहता था, इसलिए शुरू में थोड़ा निराश हुआ, लेकिन फिर 'ग्रेड 8' मिलने पर बहुत खुश हुआ। मुझे गणित पसंद है क्योंकि मुझे मुश्किल सवाल हल करना और जवाब पाने के अलग-अलग तरीके खोजना अच्छा लगता है।''

मुंबई में गणेश चतुर्थी से पहले ही 'बप्पा' का आगमन

मुंबई। देश के कई भागों में गणेश चतुर्थी त्योहार की तैयारी महीनों पहले ही शुरू हो जाती है और गणपति बप्पा के स्वागत का इंतजार करते हुए शहर का जोश और उत्साह एक अलग ही स्तर पर पहुंच जाता है। मुंबई में हर बार की तरह इस बार भी खेरानी चा राजा 2026 के शानदार आगमन के साथ मुंबई भक्ति के रंग में रंग गई है। धूम-धाम से हो रहे जश्न से लेकर गणपति बप्पा मोरया के जयकारों तक पूरा शहर उत्सव के माहौल में डूबा हुआ है और भक्त बप्पा का स्वागत करने के लिए एक साथ आ रहे हैं। भगवान गणेश की भव्य और सुंदर मूर्ति का स्वागत करने के लिए लोगों की भारी भीड़ जमा होती दिखी। इस साल गणेश चतुर्थी 14 सितंबर से शुरू होकर 25 सितंबर को भव्य विसर्जन के साथ संपन्न होगी। 10 दिनों तक चलने वाला यह त्योहार मुंबई को रंगों, संगीत और भक्ति के उत्सव में बदल देता है।

कानपुर विमान हादसे में बड़ा खुलासा

डीजीसीए ने पहले दी थी टेक्नम विमानों को लेकर चेतावनी

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

कानपुर में टेक्नम पी2006टी प्रशिक्षण विमान दुर्घटना से एक महीने से अधिक समय पहले विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने टेक्नम विमानों से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं को उठाया था। इस दुर्घटना में एक प्रशिक्षु पायलट और एक प्रशिक्षक की मौत हो गई थी। डीजीसीए ने टेक्नम विमानों को लेकर उड़ान प्रशिक्षण संगठनों (एफटीओ) के लिए सुरक्षा संबंधी सिफारिशें भी जारी की थीं और उन्हें तत्काल प्रभाव से लागू करने को कहा था। 'पीटीआई-भाषा' को मिली आधिकारिक जानकारी के अनुसार डीजीसीए ने 2025 से अब तक कम से कम दो बार टेक्नम विमानों को लेकर उड़ान प्रशिक्षण संगठनों (एफटीओ) को आगाह किया था। भारत में ये विमान मुख्य रूप से प्रशिक्षण के लिए इस्तेमाल होते हैं। ताजा पत्र 10 जुलाई 2026 को जारी किया गया था। इसमें विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की उस रिपोर्ट का हवाला दिया गया था, जो हरियाणा के भिवानी में 12 मई 2022 को एफएसटीसी फ्लाइंग स्कूल के टेक्नम पी2006टी विमान हादसे की जांच के बाद आई थी।

ईमेल में डीजीसीए ने कहा था "गर्मियों में प्रशिक्षण उड़ान से पहले टेक्नम विमानों को लंबे समय तक एप्रन/टारमैक पर खड़ा करने से बचा जाए।"

राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सशस्त्र बल मुख्यालय संघ के साथ की बैठक

मांगों पर विभागों से परामर्श कर ध्यान देने पर दिया जोर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को सशस्त्र बल मुख्यालय संघ के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत की। इस दौरान कर्मचारियों की विभिन्न मांगों और सेवा से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की गई और प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उनके द्वारा प्रस्तुत आवेदनों पर संबंधित विभागों से परामर्श करके विचार किया जाएगा। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. जितेंद्र सिंह को एक ज्ञापन सौंपा और कैरियर में प्रगति, पदोन्नति और सेवा से संबंधित लंबित मामलों पर विस्तृत चर्चा की।

रचनात्मक एवं सकारात्मक मुद्दों पर हुई चर्चा

ज्ञापन में कैरियर में प्रगति और पदोन्नति पर की बातचीत

कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ निरंतर संवाद महत्वपूर्ण

जितेंद्र सिंह को सशस्त्र बल मुख्यालय संघ का प्रतिनिधिमंडल ज्ञापन सौंपा

केंद्रीय मंत्री ने कर्मचारियों की चिंताओं पर व्यवस्थित ढंग से चर्चा करने के लिए प्रतिनिधिमंडल के आगे आने की सराहना की। उन्होंने कहा कि सेवा संबंधी वास्तविक समस्याओं के समाधान और प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ निरंतर और रचनात्मक संवाद महत्वपूर्ण है। इस बातचीत ने प्रतिनिधियों को सिंह के समक्ष अपनी समस्याओं को रखने और रचनात्मक एवं सकारात्मक माहौल में मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान किया।

कर्मचारियों के हित में हर संभव प्रयास करेंगे

केंद्रीय मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उनके द्वारा प्रस्तुत मांगों और आवेदनों की संबंधित हितधारक विभागों के परामर्श से गहनता से जांच की जाएगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि वे कर्मचारियों के हित में हर संभव प्रयास करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उठाई गई समस्याओं पर उचित प्रशासनिक प्रक्रिया के माध्यम से विचार किया जाए।

चिंताओं पर समुचित ध्यान दिया जाएगा

डॉ. सिंह ने कहा कि कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ व्यवस्थित और निरंतर संवाद से प्रशासन को सेवा संबंधी चिंताओं को बेहतर ढंग से समझने और उनके समुचित समाधान की दिशा में काम करने में मदद मिलती है। उन्होंने कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ व्यवहार करने में खुले और उत्तरदायी दृष्टिकोण के महत्व को दोहराया और एसोसिएशन द्वारा उठाई गई चिंताओं पर उचित ध्यान दिया जाएगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28